हरिभूमि

रायपुर भूमि

साड़ियों के लिए रही ऐसी भीड़...

रायपुर। पं दीनदयाल आडिटोरियम में आयोजित तीजा - पोरा तिहार पर महिलाओं की खासी भीड़ रही। तीज के जश्न के बाद यहां साड़ियां लेने महिलाओं की भीड़ एक साथ पहुंचने लगी, जिससे काफी देर तक अफरातफरी जैसे हालात रहे। कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना, स्व सहायता समूह की महिलाएं, दीदी, मितानिन महिलाएं शामिल हुईं।

खबर संक्षेप

आईजी और एसएसपी ने सिखाए पुलिसिंग के गुण

रायपुर। पुलिस के तीन दिवसीय मार्गदर्शन सत्र में शामिल होने आए पुलिसकर्मियों को स्मार्ट पुलिसिंग के गुण सिखाने के अलावा उनके साथ संवाद किया गया। कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। मार्गदर्शन सत्र में रायपुर जिले के 2316 पुलिस अफसर, कर्मी शामिल हुए। मार्गदर्शन सत्रा का आयोजन आंबेडकर अस्पताल स्थित सभागृह में आयोजित किया गया। जहां आईजी अमरेश मिश्रा एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने अपराध, कानून व्यवस्था, ड्यूटी, नशीले पदार्थों के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई तथा आगामी समय में बेहतर पुलिसिंग के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार साढ़े 16 किलो गांजा बरामद

रायपुर। आबकारी विभाग तथा आरपीएफ की टीम ने उत्तरप्रदेश के एक तस्कर के कब्जे से 3 लाख 33 हजार रुपए कीमत की साढ़े 16 किलो गांजा जब्त किया है। आबकारी तथा आरपीएफ ने उत्तरप्रदेश, बलरामपुर निवासी मो. असलम को गांजा तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। असलम ओडिशा से गांजा तस्करी कर लाया था। आबकारी तथा आरपीएफ टीम ने मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-1 पर संदिग्ध हालत में मंडराते हुए असलम के बैग की तलाशी ली तो उसमें गांजा मिला।

प्रतिबंधित नशीली टेबलेट जब्त, महिला गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने एक महिला से आठ पत्ते प्रतिबंधित नशीली टेबलेट जब्त की है।

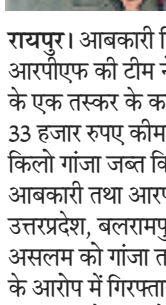

पुलिस ने टिकरापारा निवासी रिया साहू के कब्जे से नशीली टेबलेट बरामद की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने महाराजबंध तालाब के किनारे महिला को टेबलेट बेचने ग्राहक तलाशते गिरफ्तार किया है।

अज्ञात वाहन ने बाइक को ठोका, युवक की मौत

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की ठोकर लगने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार बेमेतरा निवासी अनिल (28) की रोड एक्सीडेंट में मौत हुई है। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि 22 अगस्त को अनिल रायपुर आ रहा था। अटारी ओवरब्रिज के पास अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए अनिल की बाइक को ठोकर मार दी। अज्ञात वाहन के ठोकर लगने से गंभीर खून से लथपथ अनिल को उपचार के लिए एम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अनिल को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने तीन ड्रग पैडलर को किया गिरफ्तार

राजधानी बनी 'ड्रग्स जंक्शन,' पैडलर के निशाने पर वीआईपी रोड के क्लब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी सहित पड़ोसी जिलों में ड्रग माफिया तेजी से पैर फैला रहे हैं। पुलिस ने हरियाणा सहित रायपुर के तीन ड्रग पैडलर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सिंथेटिक ड्रग 28 ग्राम के करीब एमडीएमए जब्त की है। तीनों पैडलर शुक्रवार को ही पकड़े जा चुके हैं। गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने मामले की खुलासा किया। पकड़े गए ड्रग पैडलर के तार दिल्ली से जुड़े हैं। गिरफ्तार पैडलर की एक गर्लफ्रैंड दिल्ली से ड्रग भेजने का काम संभाल रही थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 85 हजार रुपए कैश भी जब्त किए हैं। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि क्लब तथा महंगे होटलों में ड्रग खपाने के आरोप में रायपुर, कटोरा तालाब निवासी हर्ष आहूजा, खम्हारडीह अवंति विहार निवासी दीप धनोरिया तथा हरियाणा हिसार निवासी मोनू विश्नोई को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के माध्यम से नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

पैडलर के कब्जे से सिंथेटिक ड्रग भी की जब्त

प्रेमिका के माध्यम से मंगाता था ड्रग

ड्रग का कारोबार करने हर्ष ने अपनी प्रेमिका को विशेष तौर पर दिल्ली शिफ्ट किया था। युवती दिल्ली में ड्रग खरीदने के बाद उस ड्रग्स को अपने परिचित मोनू के माध्यम से ट्रेन के रास्ते रायपुर भेजती थी। पुलिस को जानकारी मिली है कि हर्ष की प्रेमिका दिल्ली के क्लबों में ड्रग्स सप्लाई करने का काम करती है। वहीं से उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर रायपुर के क्लब तथा होटलों में ड्रग खपाने योजना बनाई।

ड्रग तस्करी का पाक कनेक्शन, चार एजेंसियां करेंगी जांच, पांच को फिर रिमांड पर लिया

वीआईपी रोड के क्लब बने ड्रग एडिक्ट का अड्डा

राजधानी में अब तक ड्रग जब्ती के जितने मामले सामने आए हैं, उनमें से ज्यादातर का लिंक वीआईपी रोड तथा नवा रायपुर में संचालित होटल-क्लबों से जुड़ रहा है। पुलिस ने जिन तीन ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है, उनके द्वारा वीआईपी रोड स्थित होटल, क्लब में ड्रग खपाई जाती थी। पकड़े गए तीनों ड्रग पैडलर से पूछताछ में आने वाले दिनों में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

पुलिस के साथ झूमाझटकी

कटोरा तालाब के पास पुलिस ने सादी वर्दी में ड्रग पैडलरों को पकड़ने की कोशिश की तो तीनों पुलिस को चकमा देकर भागने लगे। इस दौरान देवेंद्र नगर एक्सप्रेस-वे के नीचे पुलिस अपनी बाइक कार के आगे की। तब हर्ष ने एक पुलिसकर्मी की बाइक पर कार चढ़ाने की कोशिश की। पुलिसकर्मी ने अपनी बाइक नहीं हटाई, उसके बाद तीनों पैडलर कार छोड़कर पैकेट अपने साथ रखकर भागने लगे, पुलिस ने दौड़ाकर तीनों को दबोच लिया तो पैडलर ने पुलिस के साथ झूमाझटकी कर भागने की कोशिश की।

कई बड़े चेहरे हो सकते हैं बेनकाब

एसएसपी के अनुसार, पकड़े गए पैडलरों से पुलिस की एक टीम पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपी राजधानी के अलावा और कहां-कहां ड्रग खपाते थे। इस संबंध में पुलिस जानकारी जुटा रही है। सामग्री लंबे अरसे से खपाई जा रही है।

आता ट्रेन से था, जाता था फ्लाइट से

वीकेंड तथा संडे को ध्यान में रखते हुए मोनू दिल्ली से हर गुरुवार ड्रग्स लेकर निकलता था। इसके बाद वह हर्ष तथा दीप को कॉल कर मरीन ड्राइव के पास बुलाकर ड्रग की डिलीवरी देता था। डिलीवरी देने के बाद मोनू एयरपोर्ट निकल जाता था। वहां से वह दिल्ली के लिए फ्लाइट से रवाना हो जाता था। शुक्रवार को पुलिस तीनों को घेराबंदी कर धर-दबोचा।

कबीर नगर में 50 से ज्यादा मकानों की तलाशी, 20 संदिग्ध मिले, चिट्टा मामले में फरार महिला भी मिली

नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने सौ से ज्यादा पुलिस अफसर-कर्मियों की टीम ने रविवार तड़के 5 बजे कबीर नगर थाना क्षेत्र के 50 से ज्यादा मकानों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने पिछले दिनों कबीर नगर में पकड़े गए रैकेट में शामिल एक फरार महिला को भी गिरफ्तार किया। आईजी अमरेश मिश्रा, एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश चली तलाशी के दौरान पुलिस ने 20 संदिग्धों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रतिबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा। ड्रग खरीदी-बिक्री करने वालों की जानकारी देने पुलिस ने दो मोबाइल तथा एक टोल फ्री नंबर 9479216156, 9479211933 एवं 1933 जारी किया है।

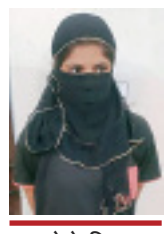

■ नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में 21 दिन में 38 पैडलर दबोचे गए

तलाशी के दौरान पुलिस ने हरप्रीत कौर उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार किया है। हरप्रीत पर ड्रग रैकेट में शामिल पैडलरों के साथ मिलकर ड्रग खपाने में मदद करने तथा नए ग्राहक तलाशने का आरोप है। एसएसपी के अनुसार कबीर नगर, आमानाका के अलावा शहर के कई थाना क्षेत्रों में लगातार ड्रग खरीदी-बिक्री करने की शिकायतें मिल रही हैं। शिकायतों की पुष्टि करने के बाद पुलिस संबंधित थाना क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाकर ड्रग नेटवर्क को तोड़ने की बात कह रही है।

21 दिन में 38 पैडलर दबोचे गए

पुलिस ने टिकरापारा, गंज, कबीर नगर, तेलीबांधा तथा कोतवाली थाना क्षेत्र में 21 दिनों में पांच ड्रग तस्करी के मामलों में 38 आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। तस्करों के कब्जे से पुलिस ने डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की सात सौ ग्राम से ज्यादा हेरोइन चिट्टा जब्त की है। पौने तीन लाख रुपए से ज्यादा कीमत की एमडीएमए जब्त की है।

निचले स्तर के तस्कर ड्रग पैडलर बन रहे

पूर्व में ड्रग एडिक्ट ही ड्रग तस्करी करते थे। गांजा, कफ सिरप, टेबलेट, इंजेक्शन पर सख्ती होने के बाद निचले स्तर के तस्कर ड्रग तस्करी में लिप्त हो रहे हैं। वर्तमान में जिन 38 लोगों को पुलिस ने ड्रग तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनमें से ज्यादातर निचले स्तर के पैडलर हैं। फारवर्ड लिंकेजेस के आधार पर ऊपर लेवल के तस्करों के खिलाफ जब तक कार्रवाई नहीं होगी। राजधानी में ड्रग का कारोबार तेजी से फैलता जाएगा।

सुपरलीग के लिए शहर के 73 कूड़ा-करकट वाले स्पॉट की होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम अपनी सिटी प्रोफाइल तैयार करने में जुट गया है। इस प्रोफाइल का स्पॉट वेरीफिकेशन भी होगा। इस बार उसकी नजर सुपरलीग क्वालीफाई करने पर रहेगी। इसके लिए पिछले साल बनाई गई सिटी प्रोफाइल को तीन अलग-अलग भागों में बांटकर उसका भौतिक सत्यापन जोन कमिश्नरी के माध्यम से कराया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस बार दिसंबर माह के बाद वर्ष 2025-26 के लिए देशव्यापी केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होगा। ऐसे में रायपुर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन इकाई सिटी को केंद्र सरकार से मिलने वाले टूलकिट का इंतजार है। दरअसल वर्ष 2024-25 के लिए हुए देशव्यापी स्वच्छता सर्वेक्षण में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की प्रतिस्पर्धा ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

इन बातों पर फोकस

शहर का ऐसा आवासीय और व्यावसायिक इलाका, जहां भारी मात्रा में कचरा निकलता है, उसकी नए सिरे से जांच-पड़ताल पर प्रोफाइल अपडेट की जाएगी। इसके लिए पिछले साल बनाई गई सिटी प्रोफाइल को अलग-अलग भागों में बांटकर संबंधित जोन कमिश्नरी से भौतिक सत्यापन कराने की तैयारी है। वहीं कम व अधिक कूड़ा-करकट निकल रहे स्थानों की सूची तैयार की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, शहर में ऐसे 73 स्पॉट चिन्हांकित किए गए हैं, जहां सबसे ज्यादा कूड़ा-करकट निकलता है। इनमें 8 शैक्षणिक संस्थान, 17 अस्पताल और नर्सिंग होम, 7 हॉटल और रेस्टारेंट, 2 शॉपिंग मॉल, सिनेमा बिल्डिंग, 5 मार्केट व कार्यालय और गार्डन का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा 2 टूरिस्ट एरिया, 7 ट्रांसपोर्ट एरिया ऐसे हैं, जहां पर संबंधित जोन अमला भौतिक सत्यापन कर इन जगहों की पुष्टि करेगा।

अलग-अलग श्रेणी में स्वच्छता सर्वेक्षण प्रतियोगिता देश के सबसे स्वच्छ शहरों की रैंकिंग तय करने केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम द्वारा सर्वे कर अलग-अलग श्रेणी में स्वच्छता के लिए विभिन्न मापदंडों के आधार प्रतियोगिता में शामिल शहरों का मूल्यांकन किया जाता है। पहली श्रेणी में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर को शामिल किया जाता है। दूसरी श्रेणी में 3 लाख से 10 लाख की आबादी वाले शहर, तीसरी श्रेणी में 50 हजार से 1 लाख की आबादी वाले शहर को शामिल किया जाता है।

राजधानी में प्रतिदिन औसत आधा सेमी. बारिश, तीन साल पहले थी ऐसी स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस बार अगस्त के महीने में राजधानी अल्पवर्षा का संकट झेल रही है। राजधानी में प्रतिदिन औसत आधा सेमी. के हिसाब से 125 मिमी. बारिश हुई। माह के अंतिम सप्ताह में एकाध बार ही अच्छी बारिश होने के आसार बन रहे हैं। शहर में वर्ष 2021 में 124 मिमी. बारिश हुई थी। जुलाई में हुई अच्छी बारिश की वजह से यहां की औसत वर्षा में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। शहर में सुबह के वक्त हल्की बारिश हुई, जिसके बाद दिनभर बादल छाए रहने की वजह मौसम में ठंडक रही। अगस्त का महीना बीतने में केवल 6 दिन शेष हैं और इस अवधि में एकाध बार ही अच्छी बारिश होने की संभावना बना रही है। जुलाई में रायपुर जिले में पर्याप्त मात्रा में बारिश हुई थी, जिससे आंकड़ा औसत से 13 फीसदी अधिक हो गया था। अगस्त लगने के बाद मानसून ⏭शेष पेज 13 पर

■ रविवार को छाए रहे बादल, पर बरसे नहीं

यहां हुई बारिश

पिछले चौबीस घंटे में पुसौर में 13, कुसमी में 12, दौरा कोचली में 9, अंबिकापुर में 8, मनेंद्रगढ़, पोड़ी, पेंड्रा, बलरामपुर, सामरी सहित कई शहरों में 7 सेमी., लैलूंगा, मरवाही, शंकरगढ़, खड़वा, छोटेडोंगर में 6-6 सेमी., बैकुंठपुर, सूरजपुर, धरमजयगढ़, लुंड्रा सहित कई इलाकों में 5 सेमी. बारिश हुई।

तिजहारिनों की थाली में 60 रुपए किलो का करेला पहुंचेगा 40 से 50 रुपए प्रति पाव, खपत भी दोगुनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के थोक मार्केट में इन दिनों करेले की पूछपरख तीज पर्व के चलते बढ़ गई है। इसके असर से थोक सब्जी बाजार में डिमांड बढ़ने से व्यापारी ओडिशा और झारखंड से करेले की खेप मंगा रहे हैं। डूमरतराई थोक सब्जी बाजार में रविवार को भी 60 से 70 रुपए प्रति किलो करेला बेचा गया। वहीं करेला तिजहारिनों की थाली में इस साल भी 40 से 50 रुपए प्रति पाव यानी दोगुने से भी ज्यादा दाम में बेचा जा रहा है। इसका असर लोगों की जेब पर भी पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में तीजा व्रत रखने वाली महिलाएं तीज से एक दिन पहले करेले की सब्जी के साथ ही चावल खाती हैं। इसे कड़ू भात की रस्म के रूप में व्रतधारी महिलाएं निभाती है। इसका असर इन दिनों थोक की अपेक्षा रिटेल सब्जी मार्केट में ज्यादा पड़ा है। ⏭शेष पेज 13 पर

राजधानी के थोक व्यापारियों का कहना- तीज पर स्थानीय किसान नहीं कर पाते करेले की आपूर्ति

अलग खबर

जरूरत और खपत के बीच रेट में अंतर

व्यापारियों ने बताया कि रविवार को थोक मार्केट में सुबह 60 से 70 रुपए प्रति किलो की दर पर करेला रिटेलर्स ने उठाया। शास्त्री मार्केट, टिकरापारा, मनपुरी सहित सभी इलाके में लगभग 40 से 50 रुपए प्रति पाव के भाव से ही दुकानदार करेला बेच रहे हैं। सामान्य दिनों की अपेक्षा तीजा पर्व से पहले करेले की मांग कुछ दिन पहले से ही बढ़ जाती है। इस सीजन में असर भी दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले रिटेल में 30 से 40 रुपए प्रति किलो में मिलने वाला करेला अभी 50 रुपए देने पर सिर्फ एक पाव ही रिटेलर्स थमा रहे हैं।

खीरा भी सामान्य दिनों की अपेक्षा महंगा

थोक व्यापारी ने आगे बताया कि उत्तर भारतीय परिवारों में व्रतधारी महिलाएं करेला की जगह खाना खाने के बाद खीरा खाती है। इसके चलते थोक मार्केट में 15 रुपए प्रति किलो की दर से लगी बोली के बाद रिटेल में खीरा भी अन्य दिनों की अपेक्षा अब 30 से 50 रुपए किलो में बेच रहे हैं। अभी खीरा की खपत बाजार में प्रतिदिन 4 से 5 टन हो रही है। सामान्य दिनों में इसकी खपत दो से तीन टन होती है। अभी खीरा और करेला की पूछपरख ज्यादा होने से रिटेल बाजार में इसका असर भी पड़ रहा है।

चंदनीडीह नाले में गाय गिरी, निगम अमले ने सुरक्षित निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चंदनीडीह के बड़े नाले में रविवार को अचानक एक गाय गिर गई। रहवासियों ने इसकी सूचना मोहबा बाजार स्थित जोन-8 कार्यालय को दी। इस सूचना को संज्ञान में लेते हुए नगर निगम की स्वास्थ्य अधिकारी प्रीति सिंह और जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन की टीम स्थल पर पहुंची। इस दौरान नाले में गिरी गाय को जेसीबी मशीन और रस्सी की सहायता से सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। चंदनीडीह इलाके में नाले में गिरी गाय को निगम की टीम ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। गाय को बाहर निकाले जाने पर स्थानीय रहवासियों ने निगम के टीम की सराहना की।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

किसकी है ये युक्ति

प्रदेश की सरकार ने भले ही नेकनीयती से शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने की योजना बनाई हो, लेकिन अफसरों ने नीति के क्रियान्वयन में ऐसी गड़बड़ियां की हैं, जो बेहद अजीबोगरीब हैं। एक स्कूल के छह शिक्षकों का अलग-अलग जगह तबादला किया गया। एक शिक्षिका ने अपने तबादले वाली जगह ज्वाइनिंग देकर काम शुरू कर दिया। बाकी के शिक्षकों ने नई जगह ज्वाइनिंग नहीं दी। जब एक माह बीता तो नौकरी करने वाली शिक्षिका को वेतन नहीं मिला, उसे अतिशेष बता दिया गया। दूसरी ओर जिन पांच शिक्षकों ने ज्वाइनिंग नहीं दी थी, उनकी उसी जगह वापसी हो गई, ये कैसे हुआ, ये जानना जरुरी नहीं, पर बड़ा सवाल ये है कि ये युक्ति किसने बनाई।

पटवारियों की नपाई

पटवारी हर किसी की जमीन की नाप करते हैं, यही उनका काम है, लेकिन हमारे यहां पटवारियों की ही नपाई हो रही है। यह बात खुद पटवारी कहने लगे हैं। इन लोगों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया, जो दो दिन बाद ही वापस ले लिया गया। साथ ही जिस राशि की मांग की गई थी, उसमें भी कटौती कर दी गई है। पता लगा है कि पटवारियों को संसाधन भत्ते के रूप में साढ़े 13 सौ और स्टेशनरी भत्ते के ढाई सौ रुपए देने की मांग थी, लेकिन सरकार ने साढ़े 13 सौ की जगह साढ़े 11 सौ देना मंजूर किया तो ये रकम हो गई साढ़े 8 सौ। स्टेशनरी भत्ता गायब हो गया। अब प्रदेशभर में हड़ताली पटवारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। पटवारी खुद मान रहे हैं कि अब उनकी ही नपाई शुरू हो गई है।

चौबे जी के मन की बात

पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे ने भूपेश बघेल के जन्मदिन समारोह में मन की बात कही। मंच पर आए और बोले-अगर भाजपा से लड़ना है तो भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ कांग्रेस का नेतृत्व देना चाहिए। अगर सरकार के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़नी है तो भूपेश बघेल के नेतृत्व में लड़नी होगी। भविष्य में अगर छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री किसी को बनाना चाहिए तो भूपेश बघेल को बनाना चाहिए। खबरी कह रहा था कि चौबे जी ने जो कहा, उससे कई नेताओं की नींद उड़ गई। क्योंकि मौजूदा अध्यक्ष पर सवाल उठा दिया और जो भविष्य में अध्यक्ष बनने की उम्मीद पाले बैठे हैं उन्हें आइना दिखा दिया।

दस साल का हिसाब...

आमतौर पर नेताजी के पास पांच साल के काम हिसाब-किताब होता है, पर यहां तो दस साल के हिसाब रखने वाले भी एक नहीं, पूरे सौ लोग मिल गए। हुआ यूं कि नए-नवेले साहब को प्रोजेक्ट का काम करना था। स्पॉट पर गए और वहां काबिज से कहने लगे, आपकी दुकान, मकान के कागज-पत्तर निकालिए। जवाब मिला, कागज तो नहीं है, नजूल की जमीन है। दुकान, मकान बनाने का परमीशन आपके जैसे ही एक साहब ने दिया था। इसके बदले पैसे भी हमने जमा कराए, पक्के कागज देने थे, आज तक नहीं मिले। अब दस साल में उसी पैसे का हिसाब लगा लें, कितना होता? साहब चकराए, बोले, दस साल के हिसाब का हमें क्या पता? हमें तो साइट क्लीयर चाहिए। जवाब देने वाले का कहना, साइट किसकी, यही पता होता तो फंसते क्यों?

सिकलसेल का दागी, बड़ी जिम्मेदारी

सीजीएमएससी में सिकलसेल घोटाले के दागी को महत्वपूर्ण पद देना चर्चा का विषय बना हुआ है। डिप्टी मैनेजर के रूप में घोटाले के आरोप में काफी समय तक निलंबित रहने वाले कर्मचारी की दवा निगम में एंट्री हुई थी और छह महीने के भीतर ही उसे प्रमोशन का लाभ भी मिल गया। दवा निगम के गलियारों में अब इस बात की चर्चा हो रही है कि मूल विभाग में वापस लौटे। अफसर के रिक्त पद हथियाने उनके द्वारा कितनी बड़ी एप्रोच लगाई गई। दवाओं की सप्लाई के मामले में अक्सर विवादों में रहने वाले दवा निगम की क्वालिटी पर दागी अफसर की एंट्री का क्या असर होगा, इस पर भी अनुमान लगाया जा रहा है।

स्वास्थ्य संचालनालय में मौनव्रत की घुट्टी

स्वास्थ्य संचालनालय में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जिम्मेदारी निभाने वाले डिप्टी डायरेक्टरों को चुप रहने की घुट्टी पिला दी गई है। आम लोगों की सेहत से जुड़े मामलों में मीडिया को जानकारी देना तो दूर, उन्हें किसी का कॉल रिसीव भी सोच-समझकर करने की नसीहत दी गई है। व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर लोगों से मेलजोल रखने वाले डाक्टर कम अधिकारियों का तर्क है कि वे अपनी व्यक्तिगत जानकारी दे सकते है मगर सार्वजनिक और जनहित से जुड़े मुद्दों पर उनका मौनव्रत है।

लो मैं आ गया

जब ईडी के डर से अच्छे-अच्छों की घिग्गी बंधी हुई है, तब भूपेश बघेल ने शनिवार को अपने जन्मदिन पर जो किया उसकी चर्चा प्रदेशभर में हो रही है। उन्होंने पोरा और जन्मदिन का कार्यक्रम सुभाष स्टेडियम में आयोजित किया। माइक लिया और कहा-हर जन्मदिन पर मेरे घर ईडी आ जाती थी। इस बार उन्होंने कार्यक्रम ही ईडी दफ्तर के सामने रख दिया। लोग कह रहे थे कि ऐसा भूपेश बघेल ही कर सकते हैं। वह भी तब, जब बेटा जेल में हो और खुद पर तलवार लटकी हो। इसके बावजूद स्वयं के जन्मदिन पर ईडी को ललकारा- आप लोग नहीं आए तो हम ही यहां आ गए हैं।

छग इलेवन में तीन एक्स्ट्रा

छत्तीसगढ़ इलेवन अब तक मैदान में अपने करतब दिखा रही थी। कप्तान और कुछ प्लेयर्स पर ज्यादा ही भार आ गया था। वे पूरी क्षमता से अपना जौहर नहीं दिखा पा रहे थे। ऐसे में उन्हें विश्राम देने कुछ युवाओं को एक्स्ट्रा खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। वैसे तो नान प्लेइंग में दो खिलाड़ियों का नाम दिया जाता है। यहां पर तीन खिलाड़ियों का नाम शामिल कर लिया गया। अब विपक्षी टीम की ओर से बवाल शुरू हो गया कि एक एक्स्ट्रा खिलाड़ी को बाहर किया जाए।

सूखे-सूखे विभाग

मंत्रिमंडल विस्तार से पहले तीन विधायकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद तीनों बाहर निकले। दो के चेहरे खिले हुए थे, उन्होंने मीडिया से खुश होकर बात की। तीसरे का चेहरा उतरा हुआ था। तब कयास लगे कि शायद तीसरे का नाम कट गया है। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उन्होंने भी शपथ ली। लेकिन जब विभाग बंटे तो समझ आया कि उनका चेहरा क्यों लटका हुआ था। दरअसल उन्हें ऐसे विभाग मिले हैं जिन्हें सूखे विभाग माना जाता है। मतलब जिनसे खर्चा पानी निकालना भी कठिन होगा।

किनारे लगाने वाले किनारे

प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल का लंबे इंतजार के बाद विस्तार हो गया। जिन विधायकों को मंत्री बनाया गया है, उनके कार्यकर्ता जहां खुश हैं, वहीं जिन दिग्गजों को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला, वे खुश नहीं हैं, लेकिन ऐसे कार्यकर्ता जरूर खुश हैं, जिनको ये दिग्गज कभी भाव नहीं देते थे। कार्यकर्ताओं में चर्चा हो रही है कि ये वही दिग्गज हैं, जो लंबे समय तक मंत्री रहते हुए कार्यकर्ताओं को पूछते तक नहीं थे। इनको घमंड इतना ज्यादा था कि कार्यकर्ताओं से सीधे मुंह न बात करते थे, न ही कार्यकर्ताओं का कोई काम करते थे। कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि समय-समय की बात है, जिन लोगों ने कार्यकर्ताओं को किनारे लगाने का काम किया, आज उनको संगठन ने ही किनारे लगा दिया।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा।

नए शिक्षा मंत्री गजेंद्र आज संभालेंगे कार्यभार, दो मंत्रियों का अभी तय नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

साय कैबिनेट के तीन नए मंत्रियों में से स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव सोमवार को मंत्रालय स्थित अपने कक्ष में पूजा-पाठ कर कार्यभार संभालेंगे। अन्य दो मंत्रियों के कार्यभार संभालने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बताया जाता है कि वे शुभ मुहूर्त में कार्यभार ग्रहण करेंगे हैं। वहीं गणेश चतुर्थी के बाद अन्य दो मंत्री कार्यभार ग्रहण करेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री मंत्रालय के मंत्री ब्लॉक के तीसरे फ्लोर पर अपने कार्यालय में फर्स्ट हॉफ में विधि-विधान से पूजा कर कार्यभार ग्रहण करेंगे। अपने परिजनों के साथ वे सुबह मंत्रालय पहुंचेंगे। अपने कक्ष में अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यभार संभालने के बाद विभाग के बारे में प्रारंभिक जानकारी लेकर कामकाज शुरू करेंगे। 20 अगस्त को शपथ ग्रहण के बाद पांच दिन बाद मंत्री विधिवत कार्यभार लेकर काम शुरू करेंगे। मंत्रालय में मंत्री का पदभार ग्रहण करने पर अफसर भी उनके स्वागत और अन्य अफसरों से परिचय कराने के बाद काम शुरू करेंगे।

■ शपथ ग्रहण के पांच दिन बाद मंत्रालय पहुंचेंगे यादव

अन्य दो मंत्रियों के पदभार की तिथि अभी तय नहीं

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और राजेश अग्रवाल से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि अभी उनके कार्यभार ग्रहण करने का समय तय नहीं हुआ है। शुभ मुहूर्त देखकर एक-दो दिनों में मंत्रालय जाकर कार्यभार ग्रहण करेंगे। गणेश चतुर्थी और छुट्टी को देखते हुए उनके कार्यभार में देर हो रही है। मंत्री अभी अपने क्षेत्र के दौरे पर हैं। राजधानी आने के बाद कार्यक्रम तय करेंगे।

मंत्रालय कक्ष का आवंटन

तीनों नए मंत्रियों को मंत्रालय में कक्ष का आवंटन जीएडी ने कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को मंत्री ब्लॉक के तीसरे फ्लोर पर कक्ष क्रमांक 8 से 12, गुरु खुशवंत साहेब को मंत्री ब्लॉक के प्रथम तल पर कक्ष क्रमांक 1 से 5 और राजेश अग्रवाल को चौथे फ्लोर पर कक्ष क्रमांक 23 से 26 आवंटित कर दिया गया है।

कार्यालय के लिए स्टाफ तय

मंत्रियों के विभाग के अनुसार मंत्रालय स्थित कार्यालय के लिए स्टाफ की नियुक्ति जीएडी द्वारा तय कर दी गई है। कार्यालय में लिपिक और सहायक ग्रेड के कर्मचारी वहां की व्यवस्था संभालने के लिए रखे गए हैं। बताया गया है कि मंत्रियों के स्टाफ और ओएसडी की उनके कार्यभार ग्रहण करने के बाद नियुक्ति होने की संभावना है।

फाल्ट ढूंढने में पॉवर कंपनी के कर्मचारियों का छूटा पसीना

राजधानी में बिजली व्यवस्था बदहाल आधा दर्जन इलाकों में 6 घंटे ब्लैकआउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के पश्चिम विधाननसभा के आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में रविवार को 6 घंटों से ज्यादा समय तक ब्लैक आउट रहा। बिजली की अंडरग्राउंड लाइन में खराबी आने के कारण इसको खोजने में पॉवर कंपनी के अधिकारियों का पसीना छूट गया। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हो रहा है। राजधानी रायपुर में किसी भी इलाके में घंटों बिजली बंद रहना अब आम हो गया है। प्रदेश में बिजली के 55 सौ फीडर हैं। इन फीडरों में से ज्यादातर का ऐसा बुरा हाल है कि लगातार बिजली गुल होने से उपभोक्ता बेहाल हो गए हैं। राजधानी रायपुर में ही किसी फीडर में बिजली की खराबी आने के बाद इसको ठीक करने में बिजली विभाग का पसीना छूट जाता है। बीते सप्ताह सड्डू में एक रात को घंटों बिजली बंद रही। ऐसा हीं कभी भी राजधानी के किसी भी क्षेत्र में होना आम बात है। सबसे बड़ी बात यह है कि मौसम की खराबी को फीडर झेल ही नहीं पाते हैं।

रविवार को टिकरापारा जोन के कैलाशपुरी, पुजारी नगर, प्रोफेसर कॉलोनी, वीरभद्र नगर, मठपारा, दुधाधारी मंदिर के पास, राधास्वामी नगर में दोपहर को 3 बजे बिजली बंद हुई जो रात को 9 बजे के बाद ही चालू हो सकी। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, इस इलाके में अंडरग्राउंड केबल में खराबी आने के साथ ही एक तार भी टूट गया था, जिसे ठीक करने में लंबा समय लग गया। इस क्षेत्र के एक उपभोक्ता वीरेंद्र देवांगन ने बताया, हमारे क्षेत्र के कई उपभोक्ता टिकरापारा बिजली आफिस गए थे, पर वहां यह बताने वाला कोई अधिकारी नहीं था कि बिजली कब आएगी। उन्होंने बताया, उनके क्षेत्र में आए दिन बिजली का बंद होना आम बात है।

हरिभूमि सरोकार

मेंटेनेस की महज खानापूर्ति

प्रदेशभर में पॉवर कंपनी द्वारा फीडरों को साल में तीन से चार बार मेंटेनेंस के नाम पर चार-छह घंटों के लिए बंद किया जाता है। इसके बाद भी इन फीडरों में रोज खराबी आना आम बात है। जब फीडरों को मेंटेनेंस के नाम पर बंद किया जाता है तो आखिर ऐसा क्या मेंटेनेंस होता है, जो कई बार मेंटेनेंस करने वाले ही दिन या फिर दूसरे दिन फिर से फीडर में खराबी आ जाती है। इसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है, पॉवर कंपनी में इस समय कुशल और अनुभवी कर्मचारियों की बहुत कमी है। इसकी वजह से मेटेनेंस का काम भी महज खानापूर्ति बनकर रह गया है। पूरा काम ठेके में चल रहा है। ठेकेदार कम वेतन वाले कर्मचारियों को रखते हैं। इनको मालूम है कि उनका वेतन बढ़ना नहीं है, इसलिए ये भी ठीक से काम नहीं करते हैं।

अमला लाठी टेक

बिजली विभाग में सबसे बड़ी समस्या यह है कि अमला लाठी टेक है। किसी क्षेत्र में जब खराबी आती है तो उसको खोजने में ही घंटों लग जाते हैं। खराबी खोजने के लिए अमले को पेट्रोलिंग करनी पड़ती है। अगर कोई उपभोक्ता बता देता है कि इस स्थान पर स्पार्किंग हुई है तो खराबी जल्दी मिल जाती है, नहीं तो घंटों लग जाते हैं। शिकायत केंद्रों का हाल यह है कि बिजली गुल होने के बाद फोन को डेड करके रख दिया जाता है। ऐसे में उपभोक्ता अगर खराबी का स्थान भी बताने के लिए फोन करते हैं को फोन नहीं लगता है।

राजधानी का हाल भी बुरा

राजधानी रायपुर के फीडरों का भी हाल बहुत बुरा है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां के फीडर आए दिन रोज दो से चार बार बंद नहीं होते हैं। इसका भी कोई समय नहीं है। कभी रात को 12 बजे, कभी 3 बजे तो कभी अलसुबह 5 बजे, कभी सुबह को 8 बजे तो कभी दोपहर में 3 बजे बिजली गुल हो जाती है। पहले कभी माहभर में एक या दो बार पांच से दस मिनट के लिए ही बिजली बंद होती थी, लेकिन अब तो यह रोज का काम हो गया है। कई फीडरों में रोज कई बार पांच से दस मिनट के लिए बिजली का गुल होना आम है। कई बार बिजली ज्यादा समय के लिए भी गुल हो जाती है।

आयुष्मान के आंकड़ों में हेरफेर, नेशनल हेल्थ एजेंसी से शिकायत करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ लंबित भुगतान, जानकारी एसएनए और सीएमएचओ को भेजेंगे निजी अस्पताल

आयुष्मान योजना के आंकड़ों में स्टेट नोडल एजेंसी द्वारा हेरफेर किए जाने की शिकायत नेशनल हेल्थ एजेंसी से करने की तैयारी है।इसके अलावा लंबित भुगतान की जानकारी सीएमएचओ के साथ राज्य में योजना का संचालन करने वाली एजेंसी को भेजी जाएगी। एएचपीआई पेंडिंग भुगतान के मामले में रणनीति बनाने जल्द ही निजी अस्पतालों के साथ बैठक होने वाली है। राज्य के कई निजी अस्पताल इस योजना की लचर भुगतान व्यवस्था को देखते हुए बहिष्कार का मूड बना रहे हैं। इधर एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने सभी निजी अस्पतालों से जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक के बकाया भुगतान की जानकारी अपने संबंधित मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी और स्टेट नोडल एजेंसी को भेजने का आग्रह किया है। शीघ्र ही एएचपीआई द्वारा सभी अस्पतालों की बैठक बुलाकर इस विषय पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। डॉ. गुप्ता ने बताया कि पिछले दिनों स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया से मुलाकात कर आयुष्मान योजना के तहत बकाया भुगतान के विषय को उठाया था। इस पर स्वास्थ्य सचिव ने कहा था कि शासन ने 31 मार्च 2025 तक के सभी प्रकरणों के ऑडिट की क्लोजर रिपोर्ट भारत सरकार को भेज दी है, अतः अब जिनका भी 31 मार्च 2025 तक का भुगतान बकाया है, वह अस्पतालों को नहीं मिलेगा।

अस्पताल संचालकों से बातचीत के आधार पर एकराय बनती दिख रही

दूसरी ओर मई 2023 के बाद का सभी सरकारी अस्पतालों को शेयर मनी अभी मिलनी शुरू हुई है, जिसमें सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टर और नर्सिंग पैरामेडिकल स्टाफ की प्रोत्साहन राशि भी शामिल है। प्रदेशभर के अस्पताल संचालकों से बातचीत के आधार पर यह एकराय बनती दिख रही है कि जनवरी से मार्च और उसके बाद जुलाई तक का भुगतान तुरंत किए जाने की जरूरत है, इसके अलावा राज्य और जिला स्तरीय शिकायत निवारण समितियों द्वारा पुनर्जीवित केसेस का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर न होने पर आयुष्मान योजना का बहिष्कार शुरू हो सकता है।

बारिश कम, छत्तीसगढ़ के आधा दर्जन से अधिक जिलों में सूखे की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बारिश की स्थिति पिछले सालों की तुलना में इस साल औसत से कम है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक प्रदेश में इस साल 5 प्रतिशत कम बारिश हुई है। 3 जिलों में औसत से अधिक बारिश हुई है, जबकि 9 जिलों में सूखे की स्थिति बनी हुई है।

मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 जून से अब तक छत्तीसगढ़ में औसतन 815.1 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य बारिश 855.8 मिमी होती है। प्रदेश में अब तक लगभग 5 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश सामान्य रही है, लेकिन बेमेतरा, जशपुर और सरगुजा संभाग के कुछ जिले कम बारिश से जूझ रहे हैं। वहीं बलरामपुर और मोहला-मानपुर जैसे जिले अत्यधिक बरसात से तरबतर हैं।

प्रदेश में अब तक 815 मिमी वर्षा होनी चाहिए थी 855 मिमी बारिश

बांध से छोड़ा जाएगा पानी

बताया गया है कि खंड वर्षा से सूख रही धान की फसल को बचाने सरकार ने रविशंकर बांध से अतिरिक्त 1000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। अब महानदी मुख्य नहर से मिल रहे 4326 क्यूसेक डिस्चार्ज के साथ यह पानी रायपुर, बलौदाबाजार और महासमुंद के खेतों तक पहुंचेगा।

कम बारिश वाले जिले

बेमेतरा 49 प्रतिशत कम 410.4 मिमी, कबीरधाम में 585 मिमी, सरगुजा में 31 प्रतिशत कम 589.7 मिमी, बलौदाबाजार 606 मिमी, महासमुंद 20 प्रतिशत कम 626.9 मिमी, दुर्ग जिले में 660 मिमी, कोंडागांव 16 प्रतिशत कम 738.1 मिमी, सुकमा में 755 मिमी और जशपुर 22 प्रतिशत कम 837.8 मिमी बारिश हुई है।

सामान्य बारिश वाले जिले

छत्तीसगढ़ में इस साल कुछ जिलों में अब तक सामान्य बारिश हुई है। इन जिलों में बारिश न तो कम हुई है और न ही ज्यादा। इन जिलों में रायपुर, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, कवर्धा, कांकेर, बेमेतरा, कोरबा, कोरिया, नारायणपुर, रायगढ़, सरायपाली-बिलाईगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जांजगीर, बालोद, दंतेवाड़ा, बीजापुर, मनेंद्रगढ़, राजनांदगांव, मुंगेली, सक्ती, खैरागढ़-गंडई-छुईखदान शामिल हैं। पूरे छत्तीसगढ़ में 24 जिलों में बारिश की स्थिति सामान्य है। बलरामपुर जिले में औसत से 64 प्रतिशत ज्यादा बारिश अत्यधिक बारिश वाले जिलों में बलरामपुर 64 प्रतिशत ज्यादा (1234 मिमी), मोहला-मानपुर-चौकी 35 प्रतिशत ज्यादा (1048.6 मिमी), जांजगीर-चांपा 21 प्रतिशत ज्यादा (1012 मिमी) हुई है।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस, रमन ने 'भारत लोकतंत्र की जननी' विषय पर दिया व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। इसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने "भारत लोकतंत्र की जननी" विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

देश के पहले निर्वाचित भारतीय स्पीकर वीर विट्ठल भाई पटेल के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह आयोजन हो रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित किया गया। इसमें भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक मजबूत करने पर चर्चा होगी। साथ ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित हो सकते हैं, इस सम्मेलन में भारत के कई राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी शामिल हुए हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जा रहा है कि विधान मंडलों की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी तथा प्रभावी कैसे बनाया जाए।

दिल्ली में दो दिवसीय आयोजन में राज्यों के पीठासीन अधिकारी हुए शामिल

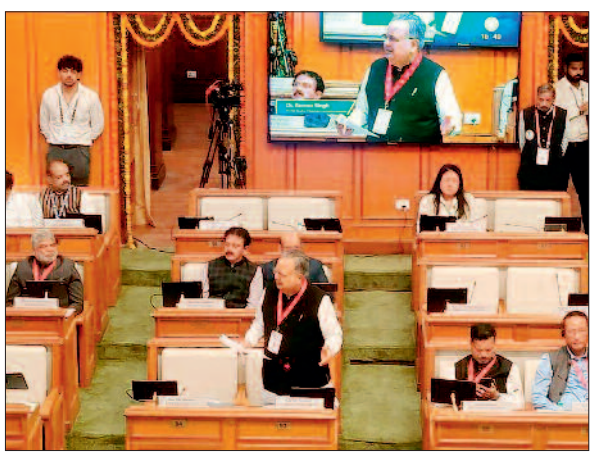

विधानसभाएं लोकतंत्र को करती हैं मजबूत : रमन

अपने भाषण में स्पीकर डॉ. रमन सिंह ने कहा, भारत ने प्राचीनकाल से ही लोकतंत्र की भावना को आत्मसात किया है। ग्राम पंचायतों से लेकर आजादी के बाद बने विधानमंडलों तक भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा रही हैं। विधानसभाएं लोकतंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। यही माध्यम है, जिससे जनता की आकांक्षाएं शासन की नीतियों में बदलती हैं।

पटेल जैसे नेताओं ने मजबूत की लोकतंत्र की नींव : शाह

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, वीर विट्ठल भाई पटेल का योगदान अतुलनीय है। उनके जैसे महान नेताओं ने भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत की। आज भी उनकी परंपरा देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में जीवित है।

राज्यपाल डेका बोले- सहकारिता में रिसर्च और डेवलपमेंट पर ध्यान देने की जरूरत

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रविवार को रायपुर में आयोजित दो दिवसीय सहकार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने कहा, सहकारिता के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बुनकारों से आव्हान किया कि वे समयानुसार उत्पादों में नवीन तकनीकों को अपनाएं। मांग के अनुसार उत्पादों की डिजाइन में बदलाव लाएं। श्री डेका ने कहा, संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। इसका उद्देश्य केवल सहकारिता को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर विश्व की नींव रखना है।

खबर संक्षेप

पोला पर ग्राम कन्हेरा में हुई बैल दौड़ स्पर्धा

अभनपुर। विकासखंड के ग्राम कन्हेरा में पारंपरिक पोला पर्व के उपलक्ष्य में बैल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और परंपरागत उत्साह के साथ पर्व को मनाया। बैल दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय,तृतीय, चौथे एवं पांचवें स्थान आने वाले इन सभी विजेताओं को ग्राम पंचायत की ओर से प्रतीक चिन्ह व मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कन्हेरा के सरपंच भानु प्रताप साहू, ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष गैंद लाल साहू, रमेश साहू सोमन लाल साहू, यशवंत ध्रुव, पूर्व सरपंच, ग्राम कोटवार व्यास, नारायण, देवदास, कुंभकरण साहू, जोगीराम साहू, पुनाराम यादव, रामेश्वर साहू एवं गांव के वरिष्ठ नागरिक और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मिलावटी शराब की बिक्री सरकार की नाकामी : बंजारे

सिलयारी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पीसीसी डेलीगेट एवं धरसींवा जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद बंजारे ने कड़े से कड़े शब्दों में भाजपा सरकार, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कार्यकाल में चल रहे नकली और मिलावटी शराब के काले कारोबार की निंदा करते हुए कहा कि रायपुर के लालपुर में मिलावटी शराब और बिना होलोग्राम की शराब जब्त होने के मामले ने सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को उजागर हुआ है। आबकारी विभाग द्वारा मैनपावर सप्लाई और सुरक्षा एजेंसियों पर की गई कार्रवाई में रायपुर की बीआईएस लिमिटेड पर 1 करोड़ 55 लाख 65 हजार 480 रुपये, दंतेवाड़ा की रक्षक सिक्योरिटी पर 1 लाख रुपये, बलौदाबाजार की एसआईएस लिमिटेड पर 4.5 लाख रुपये और बालोद की कैप्टन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। श्री राजेंद्र बंजारे ने आगे कहा कि यह घोर निंदनीय है कि इन कंपनियों द्वारा नकली होलोग्राम लगाकर मिलावटी शराब की बिक्री, शराब की ओवर रेटिंग, और बिना होलोग्राम की शराब का कारोबार किया गया, जिससे छत्तीसगढ़ शासन को भारी राजस्व नुकसान हुआ। इससे भी गंभीर सवाल यह उठता है कि क्या इस ओवर रेटिंग और मिलावटी शराब बेचने से कमाया गया काला धन भाजपा सरकार के ऊपरी स्तर तक पहुंच रहा है? इस पूरे मामले में आबकारी विभाग की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता, जो इस घोटाले की जड़ को और गहरा करता है।

आत्मानंद विद्यालय कूंरा में किया छात्र संघ गठित

धरसींवा/ कूंरा। पी एम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुंरा में बच्चों को प्रशासनिक गुणों में दक्ष बनाने के लिए छात्र संघ का गठन किया गया। प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया कि सभी बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी इन्द्रावती, अरपा, महानदी एवम शिवनाथ ग्रुप में विभाजित कर विद्यालय के सफल संचालन की करने की शपथ दिलाई गई। कक्षा 12वी से हेड बॉय आलोक वर्मा एवम हेड गर्ल सृष्टि साहू को चयनित किया गया। पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप ही करवाई गई। चयनित बच्चों ने विश्वास दिलाया कि वे अपने ज़िम्मेदारी को पूरी निष्ठा से पालन करेंगे।

जनभागीदारी समिति की बैठक में की गई चर्चा

आरंग। बद्री प्रसाद लोधी स्नातकोत्तर शाकसीय महाविद्यालय आरंग में नवगठित जनभागीदारी प्रबंधन समिति की बैठक अध्यक्ष गनपत राम लोधी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में सभी सदस्यों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं जनभागीदारी समिति के सचिव डॉ. अभया रा. जोगलेकर द्वारा बैठक की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला गया।

अभियान चलाकर मोहरेंगा में किया 15 हजार पौधों का रोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

अदाणी फाउंडेशन ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों के अंतर्गत तिल्दा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मोहरेंगा में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक वनों को सशक्त करना और ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के दौरान लगभग 15 हज़ार पौधे लगाए गए, जिनमें फलदार, छायादार और औषधीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। यह वृक्षारोपण 12 एकड़ क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर करीब 300 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अदाणी फाउंडेशन और अदाणी पॉवर के प्रतिनिधियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आग्रह किया। मोहरेंगा पंचायत की सरपंच श्यामा बाई धीवर ने कहा, "वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का वचन है। अभियान के अंत में पौधों की सुरक्षा के लिए एक ग्राम स्तरीय समिति का गठन किया गया। अदाणी फाउंडेशन ने आश्वासन दिया कि ऐसे प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे। इस वर्ष 15,000 पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से 10,000 पौधे पहले ही बच्चों की भागीदारी से लगाए जा चुके हैं। यह पहल अदाणी समूह की 2030 तक 100 मिलियन पेड़ लगाने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। संगठन का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों को पर्यावरण और सतत विकास के लिए जागरूक करना भी है।

समीक्षा : समस्या पर नहीं समाधान पर ध्यान दीजिए : शर्मा

बोर्ड व मासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक बीईओ ने ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

शनिवार को जिला कलेक्टर रायपुर डॉ गौरव कुमार सिंह व जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय के निर्देशानुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा ने बोर्ड परीक्षा सत्र 2024-25 के परीक्षा परिणाम एवं मासिक मूल्यांकन जुलाई के परीक्षा परिणाम पर विकास खंड के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी प्राचार्य की बैठक शासकीय अरुंधती देवी उत्कृष्ट विद्यालय के शैक्षिक हाल में आयोजित की। इस अवसर पर उपस्थित प्राचार्यगण ने बीते सत्र के परीक्षा परिणाम प्रस्तुत करते हुए जारी सत्र की विषय वार कार्य योजना प्रस्तुत की एवं माह जुलाई मासिक आकलन के परीक्षा परिणाम की जानकारी देते हुए शिक्षा गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा ने सभी प्राचार्य एवं प्रतिनिधिगण को प्रेरित करते हुए कहा कि सभी विषय एवं सभी विद्यार्थी महत्वपूर्ण है जिन पर फोकस किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि समस्या नहीं समाधान पर ध्यान दीजिए एवं जिला कलेक्टर रायपुर के निर्देशों को स्पष्ट करते हुए ऑपरेशन उत्कर्ष पर कहा कि शासन के शैक्षिक कैलेंडर, सिलेबस एवं मासिक मूल्यांकन के आधार पर अध्यापन कार्य निर्धारित करें एवं कमजोर बच्चों के ऊपर विशेष ध्यान देते हुए बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट शत प्रतिशत लाने के लिए अधिकतम प्रयास निश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए डेली प्रश्न, वीकली टेस्ट एवं चर्चा, मोटिवेशनल प्रयास एवं सतत अभ्यास तथा बेहतर समय का नियोजन करवाने पर जोर दिया एवं कहा कि विद्यार्थियों को कॉम्पिटिशन एग्जाम कैसे पीएटी, पीईटी, नीट, जेईई आदि का ज्ञान देते हुए उन्हें इस दिशा में तैयार भी करें। साथ ही इस अवसर पर रेड क्रॉस की सदस्यता का आह्वान किया गया।

जिसमें प्राचार्यगण माणिक लाल मिश्रा, दिलीप राहंगडाले, सत्यदेव वर्मा, राज्यश्री गुप्ता, अनीता कुंती लकड़ा, आरपी चंद्राकर, अर्जुन राम कन्नौजे, भारती श्रीवास, सरोजिनी केरकेट्टा, सरोजिनी तिग्गा आदि ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की एवं प्राचार्य गण ने आश्वस्त किया कि विद्यालय के व्याख्याता गण भी इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग देंगे। इस अवसर पर भानु प्रताप डहरिया, चंदूलाल साहू, नितेश पांडे, सुरेंद्र कुमार, लायक सिंह डहरिया, स्मिता करदले, डॉ लता चंदेल, विभोर शर्मा, हरीश शर्मा, हरीश दास एवं महेश अग्रवाल, विकास पाठक, अभिषेक तिवारी, अरविंद वैष्णव आदि की उपस्थिति रही।

गजेंद्र के मंत्री बनने पर यादव समाज में हर्ष, किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

गजेन्द्र यादव को छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर पूरे प्रदेश में यादव समाज में खुशी की लहर है। इस अवसर पर यादव समाज रायपुर की ओर से जिला अध्यक्ष संतोष यदु, बलराम यादव, हीराराम यादव, धर्मेंद्र यादव, हरिराम यादव, दुष्यंत यादव सहित अन्य प्रमुख समाजजनों ने मंत्री गजेन्द्र यादव के निज निवास पहुँचकर उन्हें शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष संतोष यदु व समाज के लोगों ने बताया कि लंबे समय से यादव समाज द्वारा सरकार से निगम-मंडल, गौसेवा आयोग सहित विभिन्न मुख्य पदों पर समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग की जा रही थी। इसी क्रम में पूरे प्रदेशभर में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया था, साथ ही समाजजनों ने मुख्यमंत्री से प्रत्यक्ष मुलाकात कर गजेन्द्र यादव को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की अपील की थी। मुख्यमंत्री द्वारा समाज की इस भावना का सम्मान करते हुए गजेन्द्र यादव को मंत्री पद दिए जाने पर यादव समाज ने मुख्यमंत्री और भाजपा संगठन के प्रति आभार प्रकट किया है। पदाधिकारियो ने बताया कि आगामी 5 सितंबर को रायपुर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर से यादव समाज के प्रतिनिधि एवं नागरिक शामिल होंगे और कार्यक्रम में मंत्री गजेन्द्र यादव का विधिवत स्वागत-सम्मान किया जाएगा।

चैतन्य की हिरासत अवधि बढ़ने पर कुर्मी समाज में भारी आक्रोश

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल के खिलाफ बिना ठोस सबूतों के लगातार जारी कार्यवाही और बार-बार रिमांड बढ़ाने ने अब सामाजिक आक्रोश में है। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोडस राम कश्यप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि भूपेश बघेल से राजनीतिक दुश्मनी को उनके बेटे से निकालने की सरकार की रणनीति समाज बर्दाश्त नहीं करेगी। श्री कश्यप ने कहा, चैतन्य बघेल एक गैर-राजनीतिक व्यक्ति हैं। उन पर लगाए गए आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है, फिर भी लगातार हिरासत बढ़ाई जा रही है। यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक प्रताड़ना है। उन्हें जन्मदिन पर गिरफ्तार किया गया और अब रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार पर भी उनकी बहनों को जेल जाकर राखी बांधनी पड़ रही है।

चंद्रनाहू कुर्मी समाज के वीरेंद्र अध्यक्ष मनोनीत

आरंग। चंद्रनाहू कुर्मी समाज के पदाधिकारियों का चुनाव चंद्राकर समाज मुख्यालय छटेरा में सम्पन्न हुआ। जिसमें विरेन्द्र चंद्राकर छटेरा अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसी क्रम में सचिव अभिषेक चंद्राकर, उपाध्यक्ष नेतराम चंद्राकर (डंगनिया), न्याय कमेटी गोपाल चंद्राकर (लिंगाडीह आरंग), ट्रस्ट कमेटी अमित चंद्राकर (भोलू दाऊ), शिक्षण समिति समीर चंद्राकर, महिला सदस्य मंटोरा चंद्राकर (आरंग), एकता चंद्राकर सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

दो वाहनों की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

रविवार शाम तिल्दा किरना मुख्य मार्ग पर ग्राम जोता के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई वहीं एक घायल हो गया घटना रविवार शाम 5:00 बजे की बताई जा रही है, बताया जाता है कि ओवरटेक के चक्कर में दो दोपहिया वाहनों के बीच टक्कर हुई है और यह बड़ा हादसा हो गया। घटना के बाद नेवरा पुलिस को इसकी सूचना दी गई, नेवरा पुलिस घटनास्थल पहुंची।

पुलिस ने बताया कि घटना में ग्राम टंडवा निवासी रामकरण वर्मा और ग्राम तुलसी नेवरा निवासी सत्यप्रकाश महिलांगे की मौत हो गई वहीं तिल्दा के वार्ड क्रमांक 22 निवासी चंद्र प्रकाश मांडले घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि घटना कैसे हुई अभी इसकी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है, साथ ही पुलिस घटना की जांच करेगी।

पोरा तिहार में बहनों के लिए हुए खेल कूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

समीपस्थ ग्राम पंचायत सिनोधा मे पोरा तिहार के अवसर पर विभिन्न खेल कूद का आयोजन हुआ जिसमे प्रथम द्वितीय व तृतीय आने वाली बहनो को पुरस्कार दिया गया परंपरा अनुसार तीज मनाने आये बहन अपने अपने घरों से हाथो मे पोरा लेकर मैदान पहुंचें जहाँ पोरा पटकने के बाद ग्राम पंचायत सिनोधा के पंचायत परिवार द्वारा कुर्सी दौड़, रस्सी दौड़, जलेबी दौड़, कबड्डी सहित विभिन्न खेल कूद का आयोजन किया गया जिसमे विजेताओं को आकर्षक पुरुष्कार ग्राम पंचायत द्वारा दिया गया आयोजन की सराहना करते हुए सेवती ध्रुव,सुनीता निषाद किरण वर्मा, संतोषी वर्मा, गीता निषाद, लक्ष्मी निषाद, सुनीता निषाद, लक्ष्मी निषाद,रामेश्वरी वर्मा,टिकेश्वरी यादव,शारदा ध्रुव, महेश्वरी नायक ने विचार व्यक्त किए। सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र डौण्डे, उपसरपंच लोकेश साहू, युवा प्रमुख सौरभ वर्मा, ताहिर खान पंच प्रतिनिधि,नरोत्तम निषाद पंच, मिनेश नायक, संतोष नायक सुभाष चंद्र बोस सेना संगठन अध्यक्ष, हिमांचल चौबे, सीताराम वर्मा धीरज ध्रुव का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

महिलाओं से 16 श्रृंगार करके मनाया पोला

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ में महिलाओं का प्रिय पर्व तीजा पोरा है पोरा पर्व के दिन सभी महिलाएं पोरा पटकर अपने पुरानी सखी सहेलियां से मिल पाती है इसीलिए यह पर्व उन्हें बहुत प्रिय है इस परंपरा को निभाते हुए तिल्दा के निकटतम ग्राम तुलसी में महिलाओं ने उत्साह के साथ पोरा पर्व मनाया , सभी महिलाओं ने एकरूपता अपनाते हुए लाल रंग की साड़ी पहनकर सोलह सिंगार किया, अपने घरों से बना कर विभिन्न तरह के व्यंजन लाये तथा आपस में बड़े प्रेम पूर्वक इसका आनंद लिया। पोरा पटकने के बाद विभिन्न तरह के खेल भी खेले छत्तीसगढ़ की पारंपरिक प्रथा को जीवंत करते हुए नाच गाने के साथ इस प्रथा का आनंद लिया गया।

अरुंधती देवी स्कूल में छात्र कैबिनेट के शपथ ग्रहण के बाद हुआ न्योता भोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

पीएमश्री अरुंधती देवी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम स्कूल आरंग में छात्र कैबिनेट का गठन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। एसएमडीसी अध्यक्ष खिलेश धुरंधर ने अपने आशीर्वचनो से बच्चों को प्रेरित किया। तत्पश्चात उनके द्वारा छात्र कैबिनेट को शपथ दिलाई गई। एसएमडीसी सदस्य अनूपनाथ योगी ने भी बच्चों को प्रेरित किया। प्राचार्य हरीश शर्मा ने बच्चों को बधाई दी और उन्हे कर्तव्यनिष्ठा की सीख दी। चुनेस पाल (हेड बाय), शिवांगी साहू (हेड गर्ल), धनंजय निर्मलकर (वाइस हेड बॉय), मुक्ता पाल (वाइस हेड गर्ल) के रूप मे शपथ लिये। जबकि टिकेश्वर, कांक्षा, प्राची, उमेन्द्र, दामेश्वर साहू,युक्ति चन्द्राकर, ऋषभ साहू, रश्मी सोनी, चाँदनी ध्रुव, सूरज गुप्ता, युग साहू, कोमल वर्मा, सोम्य साहू, रिद्धिमा शर्मा आदि ने छात्र कैबिनेट कार्य कारिणी सदस्य के रूप मे शपथ ली एवं लैग्वेज क्लब के सदस्यों के रूप मे वुमी चन्द्राकर, समृद्धि देवांगन, तृषा चन्द्राकर तथा आयुषी साहू ने शपथ ली। हिंदी माध्यम से शाला नायक टीकम चेलक, उप शाला नायक भूपेश गायकवाड,

विज्ञान सचिव संकेत साहू, क्रीड़ा सचिव अरविंद कोसरिया, अनुशासन सचिव लक्की साहू, स्वच्छता सचिव लोकेश चंद्राकर, सांस्कृतिक सचिव विनय टोण्डरे, प्रार्थना सचिव खिलेश बघेल, स्काउट सचिव खेमू यादव ने शपथ ली।

शासकीय जमीन का सौदा आरोपी न्यायिक रिमांड पर

अभनपुर। शासकीय भूमि का सौदा कर कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से लाखों की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी पुनाराम साहू उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम खोरपा, थाना अभनपुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। थाना अभनपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 306/25, धारा 420, 120बी, 467, 468 भादवि के तहत आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक जगन्नाथ विश्वकर्मा पिता आशाराम, निवासी बेलर, थाना अभनपुर द्वारा आरोपी के विरुद्ध अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व कार्यालय अभनपुर को शिकायत दी गई थी, जिसकी जांच प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस कार्रवाई की गई। बताया गया कि ग्राम बेलर, पटवारी हल्का नंबर 11 की खसरा नंबर 589, रकबा 1.510 हेक्टेयर भूमि, जो कि भूदान की शासकीय भूमि थी, उसे आरोपी पुनाराम साहू ने धोखाधड़ी कर अपने नाम पर क्रय करने की बात कही और राजस्व त्रुटि सुधार कराने का झांसा देकर संबंधित पक्षकारों से विक्रय अनुबंध कराया, बाद में आरोपी ने इस शासकीय भूमि को लखन साहू पिता फगुवा राम साहू, निवासी टाटीबंध रायपुर, को दिनांक 28.09.2023 को इकारनामा बनवाकर और 18.10.2023 को उनके परिजनों के नाम दो हिस्सों में रजिस्ट्री करवा दी। इस तरह आरोपी ने जालसाजी व कूटरचित दस्तावेजों के जरिए कुल 66,84,000 रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर 22 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पेज 11 के शेष...

तिजहारिनों की थाली...

5 टन होती है, अभी इसकी आपूर्ति ओड़िशा और झारखंड के उत्पादक कर रहे हैं। अभी रोज 7 से 8 टन करेले की खेप हाथो हाथ बिकी है। राजधानी थोक सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि व्रतधारी महिलाएं व्रत शुरू करने से पहले करेले की सब्जी का सेवन इस वजह से करती हैं, क्योंकि यह निर्जला व्रत के दौरान पानी की जरूरत को नियंत्रित करने में कारगर होता है। इसका सेवन करने से प्यास भी कम लगती है।

राजधानी में प्रतिदिन...

ब्रेक की स्थिति बनी। करीब दस दिन वर्षा की गतिविधि शुरू हुई और अब तक मध्य हिस्से में एक से दो बार ही अच्छी बारिश की स्थिति बनी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने में 24 दिनों में शहर में 252 मिमी. बारिश होनी चाहिए, मगर इस बार केवल 125 मिमी. पानी गिरा, जो सामान्य से आधा है। आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि सामान्य रहने की गुंजाइश है, जिससे कोटा अधूरा रहने की आशंका है। राज्य में सीजन की बारिश सितंबर महीने भी बने रहने की संभावना है।

सुपरलीग के लिए...

अधिक आबादी वाले शहरों की प्रतिस्पर्धा में रायपुर शहर चौथे स्थान पर आया। अब शहर को अपनी रैंकिंग बरकरार रखने के साथ टॉप थ्री पर रहने की बड़ी चुनौती है। ऐसे में यदि रायपुर स्वच्छता सर्वेक्षण की प्रतिस्पर्धा में दूसरे या तीसरे नंबर पर भी आता है या टॉप थ्री पर आता है तो वह भी अगले साल सुपरलीग के लिए क्वालीफाई करेगा। क्योंकि अहमदाबाद, भोपाल और लखनऊ नगर निगम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने के कारण सुपरलीग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसे देखते हुए रायपुर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन इकाई सिटी प्रोफाइल तैयार कर रही है।

भाठागांव से काठाडीह जाने वाले एक किमी. मार्ग से सड़क गायब, गड्ढे ही गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंटरस्टेट बस टर्मिनल भाठागांव शिफ्ट होने के बाद भाठागांव से काठाडीह मार्ग पर ट्रैफिक दबाव पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गया है। काठाडीह पहुंच मार्ग में कई बस ऑपरेटर डिपो बना लिए हैं। इस मार्ग में भारी वाहन तथा बसों के बढ़ते दबाव के चलते सड़कें जर्जर हो चुकी है। एक से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में छोटे से लेकर बड़े 35 से 40 गड्ढे हो गए हैं। एक किलोमीटर का रास्ता तय करने 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है। सड़क में गड्ढे होने की वजह से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। भाठागांव से काठाडीह मार्ग के अलावा रिंगरोड से राजेंद्र नगर, टिकरापारा क्षेत्र के कई मोहल्लों की सड़कें बारिश की वजह से उखड़ गई है। बारिश थमने में अभी डेढ़ महीने के समय है। ऐसे में जर्जर हो चुकी सड़कों की हालत और भी बदतर होगी। निगम के साथ पीडब्ल्यूडी के अफसर बारिश थमने के बाद सड़क मरम्मत कराने की बात कह रहे हैं। सड़कों पर गड्ढों की हालत ऐसी है कि इंटरस्टेट बस टर्मिनल के आगे जलगृह मार्ग के पास बीच सड़क पर ब्रेकर के पास एक बड़ा-सा गड्ढा हो गया है। इसके चलते दोपहिया से लेकर चारपहिया वाहन चालकों को उस जगह से अपने वाहन निकालने में परेशानी होती है।

भारी वाहन के चलते सड़क जर्जर : भाठागांव से काठाडीह मार्ग पर सभी तरह की 50 हजार गाड़ियों का दबाव रहता है। इस मार्ग से ट्रक के साथ बसों की आवाजाही होती है। इसके चलते काठाडीह पहुंच मार्ग जर्जर हो गया है। कई जगह पांच सेंटीमीटर से ज्यादा गहरे गड्ढे हो गए हैं। बारिश होने पर गड्ढों का अंदाज नहीं लग पाता। इसके चलते दोपहिया वाहन चालक आए दिन उन गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं।

ट्रैफिक दबाव कम करने सड़क को फोरलेन बनाने की है तैयारी

हरिभूमि सरोकार

पुलिस लाइन से गुजरना टेढ़ी खीर

शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक पुलिस लाइन मार्ग भी है। पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के क्वार्टर होने के साथ आईपीएस के बंगले होने के साथ-साथ पुलिस मेस भी है। इस मार्ग की हालत इतनी जर्जर हो गई है कि पुलिस लाइन से होकर गुजरना टेढ़ी खीर है। पुलिस लाइन मार्ग बारिश के पूर्व से खराब है, जिसका अब तक सुधार नहीं किया गया है। जगह-जगह जलभराव होने की वजह से मच्छर पनपने लगे हैं। पुलिस लाइन के रहवासी गड्ढों के साथ मच्छरों से परेशान हैं।

अंदरूनी इलाकों की हालत और भी खराब

शहर के प्रमुख मार्गों के साथ अंदरूनी इलाकों की सड़कें बारिश की वजह से उखड़ गई हैं। अमलीडीह के साथ महावीर नगर इलाके की अंदर की सड़कें बारिश की वजह से जगह-जगह से उखड़ गई हैं। बारिश थमने के बाद जल्द ही जर्जर सड़कों की मरम्मत नहीं की गई तो लोगों की परेशानी और बढ़ेगी।

जल्द कराएंगे मरम्मत

बारिश का सीजन खत्म होते ही नगर निगम सीमा क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं।

- विनोद पाण्डेय, अपर आयुक्त ननि रायपुर

खबर संक्षेप

नुआखाई मिलन समारोह स्थगित, हुई बैठक

रायपुर। धमतरी जिले की घटना को लेकर नुआखाई मिलन समारोह को स्थगित किया गया है। यह निर्णय नेताजी सुभाष स्टेडियम में शनिवार को जय बूढ़ी मां गांड़ा महासभा की कोर कमेटी की बैठक में लिया गया है। बैठक में कमेटी के प्रदेश महासचिव संजय सोनी, प्रदेश युवा अध्यक्ष वैष्णव भत्रिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश मोंगराज और जिला अध्यक्ष राधे नायक ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व 11 अगस्त को हमारे समाज के तीन युवाओं की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। घटना धमतरी जिले में हुई थी, क्या हमारे समाज के एक परिवार के प्रति हमारी ये संवेदना यह नहीं है कि हम उस परिवार के साथ खड़े रहें एवं इस संकट की घड़ी में उनका साथ दें। इसलिए इस वर्ष हमारे समाज का सबसे बड़ा त्योहार नुआखाई शालीनता एवं सद्भावना के साथ मनाने का निर्णय लिया है। बैठक में जय बूढ़ी मां गांड़ा महासभा संगठन के पदाधिकारियों में श्याम सिक्का, जीतू सागर, दीपक दीप, टीके चौहान, शेखर सागर, कमल तांडी, सिद्धू बाघ आदि उपस्थित थे।

जमीन दलाल धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

रायपुर। अभनपुर पुलिस ने एक जमीन दलाल को धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जगन्नाथ विश्वकर्मा की शिकायत पर पुलिस ने खोरपा निवासी पुनाराम साहू को गिरफ्तार किया है। पुनाराम पर शासकीय जमीन को कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बेचने का आरोप है। पुनाराम के खिलाफ जगन्नाथ ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने उसकी भू-दान वाली जमीन जो शासकीय है, उस जमीन के दस्तावेज सुधारने अपने नाम से रजिस्ट्री कराकर किसी दूसरे को 66 लाख में बेचकर पैसे न देकर उसके साथ ठगी की।

स्कूटी से गांजा बरामद विक्रेता को धर-दबोचा

रायपुर। उरला में पुलिस ने स्कूटी से गांजा जब्त किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची तो ग्राम कन्हेरा रोड ब्रिज के नीचे में एक व्यक्ति अपनी स्कूटी होण्डा डियो क्रमांक सीजी-04 क्यूए-3254 में गांजा रखा हुआ था। उपनिरीक्षक तेजराम कंवर आरक्षक राजाराम एक्का, धनेन्द्र जोशी, नरेश प्रधान उसे घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर अपना नाम बैसाखू ध्रुव निवासी एएचपी कॉलोनी उरला बताया। तलाशी में आरोपी की स्कूटी होण्डा से एक सफेद कलर की प्लास्टिक की बोरी में मादक पदार्थ गांजा कुल वजन 5.550 किलोग्राम कीमत 55,500 मिला। आरोपी की जेब से 14230 रुपए नकद भी बरामद किए गए।

शुरुआती टेस्ट में लापरवाही या स्वास्थ्य केंद्रों में भेजी जाने वाली दवा में गड़बड़ी

सप्लाई के पहले 'ओके' होने वाली दवाओं की अस्पतालों में मिल रही शिकायत, जांच पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सरकारी अस्पतालों में विभिन्न तरीकों से अमानक मिल रही दवाओं ने सीजीएमएससी की जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।सप्लाई से पहले जांच में ओके रिपोर्ट मिलने वाली दवाओं के स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के बाद शिकायत मिल रही है। दवाओं की शुरुआती जांच में लापरवाही हो रही है अथवा सप्लाई की जाने वाली खेप में गड़बड़ी की जा रही है। राज्य में अब तक पैरासिटामोल सहित आधा दर्जन से ज्यादा जीवनरक्षक दवाओं के कई बैच का उपयोग रोका गया है।

राज्य के सरकारी अस्पतालों में आम मरीजों के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं की शिकायत के बाद संशय की स्थिति बनने लगी है।लंबी प्रक्रिया के बाद कंपनियों से रेट कांट्रेक्ट करने के बाद दवाईयों की सप्लाई के पहले दवा निगम सभी बैच के प्रोडक्ट की सैंपल जांच अपने एनबीएल से मान्यता प्राप्त लैब में कराता है और ओके रिपोर्ट के बाद उसके वितरण की सहमति देता है। शुरुआती जांच में सही मिलने वाली दवाओं की अस्पतालों से शिकायती क्यों आ रही है? आशंका जताई जा रही है कि शुरुआती दौर में दवाओं की जांच की ओके रिपोर्ट औपचारिकता रहती है या फिर सप्लाई के दौरान दवाओं की खेप के साथ समझौता किया जाता है, जिसकी तरफ विभागीय स्तर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दवाओं के असरहीन होने जैसी शिकायत मिलने पर उसकी जांच प्रक्रिया में इतना वक्त लगाया जाता है कि दवाओं की रिपोर्ट आने तक ज्यादा से ज्यादा स्टॉक खप जाता है।

दवा असरहीन...कृमिनाशक एल्बेंडाजोल की पांच बैच पर बैन, बच्चों को दी जानी थी खुराक

रायपुर एवं बलौदाबाजार के हेल्थ सेंटरों और अस्पतालों को सीजीएमएससी का सर्कुलर

भौतिक रूप से अमानक, फिर भी जांच

जानकारों के मुताबिक, जीवनरक्षक दवाएं दो तरीके से अमानक पाई जाती हैं। इसमें पहला तो संबंधित दवाओं में आवश्यक तत्वों की मात्रा का कम अथवा ज्यादा होना होता है। इसका पता लगाने के लिए संबंधित दवाओं के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए लैब में भेजा जाता है। दूसरा अमानक भौतिक रूप से होता है, यानी दवाओं की बनावट, टूट-फूट, टेबलेट का चूना बन जाना, पैकेजिंग, फफूंद लगना, धब्बे आने जैसा होता है। इस तरह की शिकायत वाली दवाओं के उपयोग पर तत्काल रोक लगाना जरूरी होता है। दवा निगम ऐसी दवाओं को भी लैब भेजकर जांच कराने में समय गंवाता है और रोक का सर्कुलर जारी होने तक दवाओं का स्टॉक खप जाता है।

सरकारी अस्पतालों की दवाओं में शिकायतें, डिपो में वापसी के बाद ठंडी पड़ी जांच

- महीनेभर में सीजीएमएससी के जरिए भेजी गई दवाओं समेत आठ प्रोडक्ट हो चुके वापस
- भुगतान की ढीली प्रक्रिया बड़ी कंपनियां नहीं ले रहीं दिलचस्पी, लोकल का बोलबाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को दी जाने वाली दवाओं की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। घटिया होने की शिकायत पर उन दवाओं ...

जांच के लिए लैब, फिर भी दवाएं अमानक

सीजीएमएससी के पास सप्लायर एजेंसी से प्राप्त होने वाली दवाओं की जांच के लिए अपना लैब है। नियमानुसार सरकारी अस्पतालों ...

हर शिकायत पर गंभीरता बरत रहे

दवा जैसे संवेदनशील मामले में गंभीरता बरती जा रही है। अस्पतालों से मिलने वाली एक भी शिकायत पर संबंधित दवाओं के उपयोग पर रोक लगाई जा रही है। इसके अलावा जांच में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित कंपनियों के खिलाफ एक्शन भी लिया जा रहा है।

- दीपक महस्के, अध्यक्ष, सीजीएमएससी

दर्द निवारक से मिर्गी का झटका रोकने वाली दवाओं पर रोक

पिछले दो से तीन महीने के भीतर आधा दर्जन से अधिक जरूरी दवाओं और अन्य सामग्री पर रोक लगाने के लिए सीजीएमएससी सर्कुलर जारी कर चुका है। इसमें बुखार जैसी समस्याओं वाली सर्वाधिक खपत पैरासिटामोल, लैक्टिक एसिड टेबलेट, कैल्शियम की गोलियां, अस्थमा-रोधी दवा, गठिया-ऑस्टियोपोरोसिस की दवा और मिर्गी जैसे दौरे को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा शामिल है। इसके साथ सीजीएमएससी के माध्यम से सप्लाई की गई डीएनएस, आरएल और ग्लूकोज सलाइन और आईवी सेट, सर्जिकल दस्ताने नियोस्पोरिन, सर्जिकल ब्लेड, एचसीवी जैसी किट भी सब स्टैण्डर्ड के मिल चुके हैं।

महाराजा अग्रसेन की जयंती 22 को बाजे-गाजे के साथ निकलेगी शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में महराजा अग्रसेन की जयंती 22 सितंबर को उत्साह के साथ मनाई जाएगी। बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे। अग्रवाल सभा ने 19 मोहल्ला समिति कार्यकारिणी एवं तीनों मंडल के साथ आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक ली। 7 सितंबर से अग्रसेन जयंती के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। अग्रवाल सभा एवं 19 मोहल्ला समिति कार्यकारणी तथा महिला मंडल, युवा मंडल एवं युवती मंडल के साथ महाराजा अग्रसेन जयंती के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभा संरक्षक सीताराम अग्रवाल, सभा अध्यक्ष विजय अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री योगेश अग्रवाल, महिला मंडल की अध्यक्ष ममता अग्रवाल उपस्थित रहीं। स्वदेशी जागरूकता के लिए 14 सितंबर को अग्रथों - एक दौड़ स्वदेशी की ओर का आयोजन होगा। जयंती कार्यक्रम में महिला मंडल द्वारा महिला सम्मेलन एवं भारतीय वेशभूषा के ऊपर कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही चावल की टोकरी, रामा पेंटिंग, मिनिएचर गार्डन कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहेंगे। साथ ही युवाओं के लिए गो रायपुर गो ट्रेसर हंट का आयोजन होगा।

- 19 मोहल्ला समितियों और तीनों मंडल के प्रभारी के साथ अग्रवाल सभा ने की बैठक

अग्रथोन दौड़ 14 सितंबर को

कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार प्रभारी योगेश अग्रवाल, प्रमोद जैन ने बताया कि सर्व समाज को संगठित करने 14 सितंबर को अग्रथोन एक दौड़ स्वदेशी की ओर का आयोजन किया जा रहा है। राज्य रजत जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल सभा द्वारा रजत जयंती झांकी निकाली जाएगी, जिसमें समाज के स्वतंत्र सेनानियों का विवरण देखने को मिलेगा।

ब्लॉक-मंडल के प्रस्ताव जल्द ही डीसीसी और पीसीसी में जमा करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संगठन सृजन कार्यक्रम को लेकर प्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी विजय जांगिड़ एवं पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने ब्लॉक से मंडल अध्यक्षों के लिए प्राप्त प्रस्तावित नामों पर चर्चा की। इस अवसर पर निर्देशित किया गया कि सभी ब्लॉक से प्राप्त प्रस्तावों को जल्द से जल्द जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जमा किया जाए, ताकि निर्धारित समयावधि में मंडल एवं सेक्टर समितियों का गठन सुनिश्चित किया जा सके। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को सशक्त बनाने हेतु पूरे समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे, विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, पंकज शर्मा, दीपक दुबे, कन्हैया अग्रवाल, शैलेश नितिन त्रिवेदी, महेंद्र छाबड़ा, अजय साहू, प्रवीण साहू, ममता राय सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

- शहर कांग्रेस कमेटी की संगठन सृजन कार्यक्रम पर बैठक

एससी, एसटी, गरीबों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में रोजगार के लिए सिखाएंगे विदेशी भाषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के एससी, एसटी, गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों के हक में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। अब इन वर्गों के लोगों के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य पैन आईआईटी द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने आवश्यक कौशल के साथ विदेशी भाषा सिखाने का काम किया जाएगा।

ये है मामला : जनजातीय समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवा, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों के संस्थागत विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनी रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (पैन आईआईटी) के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन को मंजूरी देने के बाद अब एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया था।

क्या है पैन आईआईटी

पैनआईआईटी, आईआईटी के पूर्व छात्रों द्वारा बनाई गई सोसायटी है जो राज्य सरकारों के साथ गैर लाभकारी संयुक्त उपक्रम बनाकर, राष्ट्रनिर्माण मिशन, व्यवसायिक, आजीविका शिक्षा व्यवस्था एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वंचित समुदायों के आय में सुधार लाने का कार्य करती है। पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन जिसका मुख्यालय आईआईटी बॉम्बे में है।

कंपनी करेगी ये काम

इस ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग के लोगों को संस्थागत व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से सशक्त एवं विकसित किया जाएगा।

सरकारी भवन कंपनी को दिए जाएंगे

पैन आईआईटी द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए जिला प्रशासन एवं विभागों द्वारा आवश्यक शासकीय भवनों का पहचान किया जाएगा एवं उसे ज्वाइंट वेंचर कंपनी को हस्तांतरित किया जाएगा। प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ शासन एवं पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन (पैन आईआईटी) के मध्य एक गैर-लाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन का निर्णय लिया गया है। इस कंपनी में 60 प्रतिशत भागीदारी पैन कंपनी की होगी। इसके अलावा राज्य शासन के अलग-अलग विभागों के भागीदारी होगी। इनमें आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग,छत्तीसगढ़ राज्य अन्त्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम 26 प्रतिशत,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान 06 प्रतिशत, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण 06 प्रतिशत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान 02 प्रतिशत का भागीदार होगा।

एक राष्ट्र-एक चुनाव, स्वदेशी अभियान का किया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में एक राष्ट्र, एक चुनाव और स्वदेशी अभियान विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं लोकसभा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने देशभर से आए व्यापारी नेताओं को संबोधित किया। देशभर के व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एंटरप्रेन्योर्स एंड ट्रेडर्स लीडरशिप समिट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी के नेतृत्व में शामिल हुआ। इस मौके पर अमर पारवानी ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विषय पर व्यापारी समाज को अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है।

इस प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ के विभिन्न व्यापारिक संगठनों से प्रमुख रूप से कैलाश खेमानी, रविंद्र तिवारी, नवदीप सिंह अरोरा, शंकर बजाज, कन्हैया गुप्ता, अवनीत सिंह, प्रकाश सांखला, हीरानंद जैसिंघ, राजीव खूबचंदानी आदि शामिल रहे।

एनएचएम के कर्मचारी छह दिन से हड़ताल पर, बच्चों का टीकाकरण नहीं हो रहा

स्वास्थ्य केंद्रों के साथ कार्यालयों में भी सन्नाटा इलाज और प्रशासनिक कामकाज ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी समेत पूरे प्रदेश के प्राथमिक और सामुदायिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में छह दिन से सन्नाटा पसरा हुआ है। जिला मुख्यालय के साथ प्रदेश के स्वास्थ्य संचालनालयों में प्रशासनिक कामकाज ठप हो गया है। एनएचएम के कर्मचारियों के पिछले छह दिन से हड़ताल होने की वजह से बच्चों का नियमित टीकाकरण तक नहीं हो पा रहा है। समस्याओं को देखते हुए सोमवार से स्वास्थ्य केंद्रों में वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की तैयारी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के करीब 16 हजार कर्मचारी 18 अगस्त से अपने कार्यालयों के बजाय नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर बैठकर अपनी मांग पूरी करने शासन पर दबाव बना रहे हैं। उनके काम बंद करने की वजह से निचले स्तर उपचार व्यवस्था, स्वास्थ्य कार्यक्रम और जिला स्तर के स्वास्थ्य विभाग के कामकाज पर असर पड़ा है। प्राथमिक और सामुदायिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में गिनती के कर्मचारी होने की वजह से सामान्य उपचार तक नहीं हो रहा है। सप्ताह में दो दिन बच्चों का टीकाकरण भी प्रभावित हो रहा है। सर्दी-खांसी, बुखार जैसी समस्या लेकर अस्पताल आने वाले मरीजों को निराश होकर प्रायवेट क्लीनिक जाना पड़ रहा है अथवा आंबेडकर और जिला अस्पताल में जाकर लंबी लाइन लगानी पड़ रही है। इसी तरह सीएमएचओ कार्यालय में भी सन्नाटा पसरा हुआ है। यहां से संचालित होने वाले टीकाकरण अभियान, पीसीपीएनडीटी एक्ट, लेप्रोसी, एनआरसी से लेकर अन्य कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार व्यवस्था पर पड़ रहे विपरीत असर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार से वैकल्पिक इंतजाम करने का दावा किया जा रहा है।

ये हैं मांगें

एनएचएम के आंदोलनरत कर्मचारियों के रायपुर जिले के मीडिया प्रभारी राज यदु ने बताया कि उनकी मांग संविलियन एवं स्थायीकरण, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना, ग्रेड-पे निर्धारण, लंबित 27 प्रतिशत वेतनवृद्धि, कार्य मूल्यांकन में पारदर्शिता, नियमित भर्ती में सीटों का आरक्षण, अनुकंपा नियुक्ति, मेडिकल व अवकाश सुविधा, स्थानांतरण नीति तथा दस लाख तक कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की है।

पेज 11 के शेष ...

तिजहारिनों की थाली...

इस कड़वी सब्जी की सामान्य दिनों में प्रति दिन की खपत 4 से 5 टन होती है, अभी इसकी आपूर्ति ओड़िशा और झारखंड के उत्पादक कर रहे हैं। अभी रोज 7 से 8 टन करेले की खेप हाथो हाथ बिकी है। राजधानी थोक सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि व्रतधारी महिलाएं व्रत शुरू करने से पहले करेले की सब्जी का सेवन इस वजह से करती हैं, क्योंकि यह निर्जला व्रत के दौरान पानी की जरूरत को नियंत्रित करने में कारगर होता है। इसका सेवन करने से प्यास भी कम लगती है।

राजधानी में प्रतिदिन...

ब्रेक की स्थिति बनी। करीब दस दिन वर्षा की गतिविधि शुरू हुई और अब तक मध्य हिस्से में एक से दो बार ही अच्छी बारिश की स्थिति बनी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार अगस्त के महीने में 24 दिनों में शहर में 252 मिमी. बारिश होनी चाहिए, मगर इस बार केवल 125 मिमी. पानी गिरा, जो सामान्य से आधा है। आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि सामान्य रहने की गुंजाइश है, जिससे कोटा अधूरा रहने की आशंका है। राज्य में सीजन की बारिश सितंबर महीने भी बने रहने की संभावना है।

सुपरलीग के लिए...

में रायपुर शहर चौथे स्थान पर आया। अब शहर को अपनी रैंकिंग बरकरार रखने के साथ टॉप थ्री पर रहने की बड़ी चुनौती है। ऐसे में यदि रायपुर स्वच्छता सर्वेक्षण की प्रतिस्पर्धा में दूसरे या तीसरे नंबर पर भी आता है या टॉप थ्री पर आता है तो वह भी अगले साल सुपरलीग के लिए क्वालीफाई करेगा। क्योंकि अहमदाबाद, भोपाल और लखनऊ नगर निगम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने के कारण सुपरलीग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इसे देखते हुए रायपुर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन इकाई सिटी प्रोफाइल तैयार कर रही है।

खबर संक्षेप

इंडियन ओवरसीज बैंक के कर्मियों ने जताई नाराजगी

रायपुर। रायपुर स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष प्रदेशभर से आए लगभग 200 बैंककर्मी अपने परिजनों सहित एकत्र हुए और हाल ही में छत्तीसगढ़ में कुछ बैंक अधिकारियों की गिरफ्तारी के विरोध में गहरी नाराजगी जताई और भय व्यक्त किया। इस संदर्भ में ऑल इंडिया बैंक अधिकारी महासंघ (एआईबीओसी) छत्तीसगढ़ राज्य इकाई के राज्य सचिव वाई. गोपाल कृष्णा ने कहा कि लगातार हो रही गिरफ्तारियों और पुलिस की चेतावनियों ने पूरे बैंकिंग समुदाय को गहरे भय और असुरक्षा के वातावरण में डाल दिया है। सभी बैंक अधिकारी बैंक की निर्धारित नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए ही खाते खोलते हैं। यदि केवल खाते खोलने की प्रक्रिया को आधार बनाकर निर्दोष अधिकारियों को दोषी ठहराया जाएगा तो भविष्य में अधिकारी खाते खोलने से हिचकिचाएंगे।

पवन बने छग तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष

रायपुर। पं. दीक्षित सभागृह लालबहादुर शास्त्री प्रांगण में रविवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ का

सप्तम प्रांतीय अधिवेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अमर अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि बिलासपुर की महापौर पूजा विधानी उपस्थित रहीं। संघ के जिलाध्यक्ष किशोर शर्मा ने बताया कि दो चरणों में आयोजित इस अधिवेशन के प्रथम चरण में निर्वाचन अधिकारी पीआर यादव द्वारा संघ के प्रांतीय अध्यक्ष का निर्वाचन कराया गया, जिसमें दो नामांकन प्रस्तुत होने के बाद दूसरे प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लिए जाने के बाद निर्वाचन अधिकारी द्वारा पवन शर्मा को निर्वाचित घोषित कर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

ब्रह्माकुमारी के रिट्रीट सेंटर में लगाया रक्तदान शिविर

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित शिविर के दूसरे दिन रविवार को 112 लोगों ने रक्तदान किया। संस्थान से जुड़े भाई-बहन उत्साह के साथ इस रक्तदान महाभियान का हिस्सा बने। इस तरह दो दिनों में सड्डू स्थित रिट्रीट सेंटर शांति सरोवर में 180 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर में 129 भाइयों ने रक्तदान किया। माताओं और बहनों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान 51 माताओं ने जनसेवा के पुनीत कार्य में अपना रक्तदान किया।

नवीन कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

रायपुर। नवा रायपुर स्थित महानदी मंत्रालय भवन के सभागार में आज अभियोजन अधिकारियों को नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशालय लोक अभियोजन छत्तीसगढ़ के महानिदेशक अरुण देव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रायपुर विनय कुमार प्रधान एवं शैलेश शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के क्रियान्वयन संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रधान एवं अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी चन्द्र कुमार कश्यप ने वीसी के माध्यम से साक्ष्य परीक्षण, प्रक्रिया संबंधी जटिलताओं तथा नवीन कानून के क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। अतिरिक्त सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग श्री कश्यप तथा अतिरिक्त संचालक लोक अभियोजन केएस गावस्कर ने अपील एवं पुनरीक्षण प्रस्तावित करने के आधार और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला।

नए इंजनों में शौचालय की सुविधा अनिवार्य, व्यस्त रूट्स पर अब बनाएंगे नए रनिंग रूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

भारतीय रेलवे अपने लोको पायलटों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब से सभी नए इंजनों में शौचालय की सुविधा अनिवार्य उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे ट्रेन संचालन के दौरान पायलटों को असुविधा का सामना न करना पड़े। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह पहल खासतौर पर महिला लोको पायलटों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जो लंबे समय से इस मूलभूत सुविधा की मांग कर रही थीं। इस नई व्यवस्था से लोको पायलटों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि उनके कार्य के दौरान स्वास्थ्य और स्वच्छता भी सुनिश्चित हो सकेगी। रेलवे प्रशासन ने इसे कर्मचारियों के हित में एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम बताया है।

महिला कर्मचारियों को सबसे अधिक फायदा, कर्मचारियों के हित में रेलवे का अहम निर्णय

सभी रनिंग रूम वातानुकूलित

लोको पायलट की यात्री सेवा में अहम भूमिका रहती है। ऐसे में उनकी वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए रेलवे की ओर से कई अहम कदम उठाए गए हैं। लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया जा रहा है। जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, उन पर नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। साथ ही लोको कैबिन में पायलटों को बेहतर से बेहतर सुविधा दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटों के प्रतिदिन के वर्किंग आवर्स सुविधाजनक रहेंगे।

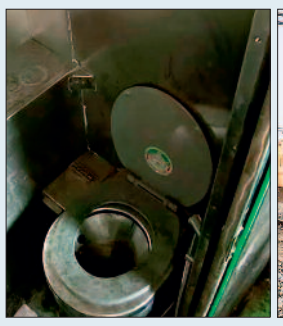

मालगाड़ी के पायलट झेलते हैं समस्या

अधिकारियों ने बताया कि लोको पायलट के पद पर महिलाओं की भी तैनाती है। ऐसे में अभी तक जरूरत पड़ने पर लोको पायलट किसी स्टेशन पर पहुंचने के बाद ट्रेन के शौचालय का उपयोग करती हैं। वहीं नियमों की बात की जाए तो ड्यूटी समाप्त होने तक पायलट इंजन नहीं छोड़ सकते। इसके कारण अक्सर उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता था। भारतीय रेल के इस निर्णय पर स्थानीय स्तर पर लोको पायलट ने हर्ष जताया है। उनका कहना है कि अधिक दूरी तक ट्रेन संचालन में अक्सर शौचालय को लेकर समस्या होती है। सबसे अधिक समस्या मालगाड़ी के पायलटों को झेलनी पड़ती थी। इंजन में शौचालय बन जाने से लोको पायलटों को काफी हद तक राहत मिलेगी।

नौ मंजिला हरित भवन में होगा अब पॉवर कंपनी का मुख्यालय

पॉवर कंपनियां होंगी नवा रायपुर शिफ्ट, 217 करोड़ में नया भवन, 3 सितंबर को सीएम रखेंगे आधारशिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनियां आने वाले समय में नवा रायपुर शिफ्ट होंगी। कंपनियों के लिए 217 करोड़ की लागत से नया भवन बनाया जाएगा। इस भवन की 3 सितंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आधारशिला रखेंगे। नौ मंजिला नया भवन हरित होगा। इसी के साथ भवन के दफ्तर सोलर से रोशन होंगे। डगनिया का डाटा सेंटर और लोड डिस्पैच सेंटर नवा रायपुर शिफ्ट नहीं होगा। नवा रायपुर के भवन में तीनों कंपनियों के दफ्तर ही शिफ्ट होंगे।

स्टेट पॉवर कंपनियों का संयुक्त मुख्यालय परिसर अत्याधुनिक और हरित भवन के मापदंडों के अनुरूप होगा। 1300 से अधिक कार्मिकों के लिए तैयार होने वाले इस मुख्यालय भवन को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की पांच सितारा रेटिंग और ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (ईसीबीसी) के मापदंडों के अनुरूप बनाया जाएगा। नवा रायपुर के सेक्टर 24 में निर्मित होने जा रहे भूतल समेत कुल 9 मंजिलों के इस मुख्यालय कांप्लेक्स में तीनों कंपनियों के लिए तीन टॉवर होंगे। मुख्यालय भवन को ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट (गृहा) के निर्धारित पांच सितारा मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा। नवा रायपुर के भवन में डगनिया में स्थित डाटा और लोड-डिस्पैच सेंटर को नवा रायपुर शिफ्ट नहीं किया जाएगा। इन सेंटरों को बनाने में करोड़ों खर्च किए गए हैं। अगर इन सेंटरों को शिफ्ट किया जाएगा तो पहले वहां नए सेंटर बनाने पड़ेंगे, इस पर हजार करोड़ से ज्यादा का खर्च आएगा। इन सेंटरों को शिफ्ट न करने का फैसला किया गया है।

भवन में सौर ऊर्जा संयंत्र लगेंगे

नेट जीरो अवधारणा के साथ भवन में हरित ऊर्जा का ही उपयोग हो इसके लिए प्रथम चरण में 55 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में शत प्रतिशत ऊर्जा की आपूर्ति सौर ऊर्जा से होगी। भवन में लगभग 12 सौ किलोवॉट विद्युत के खपत का आंकलन है। परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। इतना ही नहीं, भवन में कांचयुक्त बाह्य सतह पर बिल्डिंग इंटिग्रेटेड फोटो वोल्टायिक सिस्टम (बीआईपीवी) होगा, जो सूर्य की रोशनी नहीं होने पर भी भवन के ताप से भी विद्युत निर्माण कर सकेगा। 21वीं सदी के पहले नियोजित शहर में टीओडी मॉडल में विकास का खाका तैयार किया गया है। उसी अनुरूप पॉवर कंपनियों का मुख्यालय तैयार किया जा रहा है।

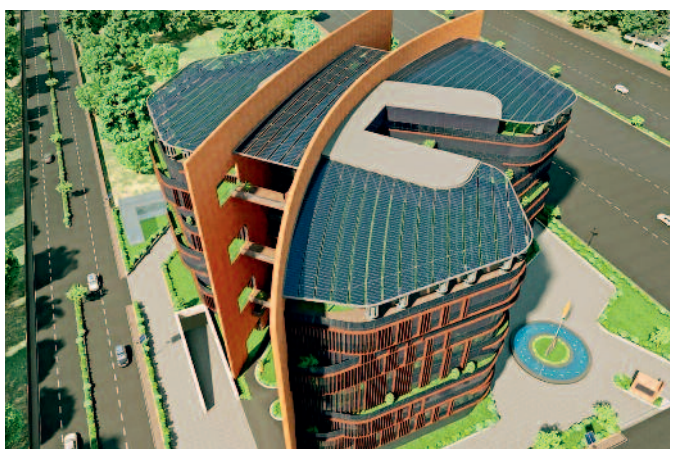

दो मंजिला पार्किंग की सुविधा

इतने बड़े भवन में आने वाले अधिकारियों कर्मचारियों समेत आगंतुकों के वाहनों की पार्किंग सुव्यवस्थित करने के लिए दो मंजिला बेसमेंट पार्किंग निर्धारित की गई है, जिसमें 350 चारपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था होगी। पार्किंग क्षेत्र में पार्किंग के साथ ईवी चार्जिंग की व्यवस्था होगी। परिसर में दिव्यांगों की सुगमता का ध्यान रखते हुए उनके आवागमन समेत अन्य आवश्यकताओं के अनुरूप भवन में व्यवस्थाएं होंगी।

30 में तैयार होगा

मुख्यालय परिसर एकीकृत प्रणाली से प्रबंधित होगा, जिसे भवन प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) नियंत्रित कहा जाता है। इसके तहत नियंत्रण कक्ष स्थापित होगा और यह नियंत्रित विद्युत, एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) जल आपूर्ति, अग्निशमन, अग्नि अलार्म, ऑडियो विजुअल, सीसीटीवी निगरानी से लैस होगा। मुख्यालय परिसर के विकास का काम छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को सौंपा गया है। मुख्यालय भवन का निर्माण 10 हजार वर्गमीटर में होगा, जिस पर लगभग 217 करोड़ रुपए का व्यय होगा। भवन निर्माण का कार्य अगले 30 महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।

वेटलैंड संरक्षण मुहिम पर कार्यशाला

अपने तथा परिवारजनों के जन्मदिन पर लगाएं पौधे

हरिभूमि न्यूज⏭रायपुर

कलिंगा विश्वविद्यालय और सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एण्ड डेवलपमेंट के तत्वावधान में आर्द्रभूमि बचाओ अभियान के अंतर्गत 22 और 23 अगस्त को दो दिवसीय गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कलिंगा विवि के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने बताया कि कलिंगा विवि द्वारा छात्रों और समाज के विभिन्न अंगों को पर्यावरण और आर्द्रभूमि विषय पर जागरूक करने कई प्रयास किए गए हैं। वहीं पद्मश्री श्री पाण्डेय ने लगातार बढ़ रही पानी की बर्बादी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों को अपने और अपने परिजनों के जन्मदिन पर पांच-पांच पेड़ लगाने की शपथ दिलाई। आईएफएस अरूण कुमार पाण्डेय ने बताया कि जैव विविधता के लिए तालाबों का होना बहुत जरूरी है। जहां छत्तीसगढ़ के विभिन्न जलाशयों में देश-विदेश से मध्य एशिया और मंगोलिया क्षेत्र से भी पक्षी आते हैं। इस अवसर पर तुषार शर्मा, प्रभात मिश्रा, अभिस्मिता राय, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. अजय हरित, डॉ. अभिषेक कुमार पाण्डेय, डॉ. दीपा विस्वास, डॉ. फैज़ बक्श, डॉ. सोहिनी भट्टाचार्य आदि मौजूद रहे।

- पर्यावरण और आर्द्रभूमि विषय पर जागरूक करने कई प्रयास

आपात बैठक में शहीद स्मारक भवन ठेके पर निजी एजेंसी को देने पर जताई नाराजगी

शहीद स्मारक में चौपाटी, सेनानी उत्तराधिकारी संगठन को ऐतराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के रजबंधा स्थित शहीद स्मारक भवन में रविवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन की आपात बैठक हुई। बैठक में सेनानी उत्तराधिकारियों ने इस बात पर चिंता जताई कि शहर की ऐतिहासिक विरासत को नगर निगम की ओर से ठेके पर निजी एजेंसी को देने की तैयारी है, जिसमें चौपाटी और फूड प्लाजा एक तरह से उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान है, जिन्होंने इस स्मारक की बुनियाद रखी। उनकी ये भी राय सामने आई कि शहीद स्मारक बनाने के पीछे मकसद स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी स्मृतियों को अक्षुण्ण बनाए रखना है, न कि वहां पर किसी तरह का व्यवसाय करना।

बैठक में उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल, महामंत्री सुनील बाजारी, अरुण दुबे एवं अनिल गुप्ता सहित अन्य प्रतिभागी ने शहीद स्मारक भवन को निजी एजेंसी को संचालन के लिए दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उनकी चिंता ये भी रही शहीद स्मारक भवन का व्यावसायिक उपयोग कर ठेका एजेंसी वहाँ पर चौपाटी एवं फुड प्लाजा का बिजनेस खड़ा करेगी। नगर निगम के इस निर्णय को अत्यंत दुखःद शहीद स्मारक भवन की गरिमा के विपरीत बताया। सेनानी उत्तराधिकारियों ने कहा कि सामान्य भवन नहीं है बल्कि छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मारक है। ऐसे पवित्र भवन को आय का स्त्रोत बनाना उन वीरों का अपमान है, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

बैठक में सर्व सम्मति से यह राय बनी कि शहीद स्मारक को राष्ट्रीय धरोहर बनाकर रखा जाए न कि आय का साधन।

जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने की तैयारी

इस संबंध में उत्तराधिकारी संगठन का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही महापौर मीनल चौबे, निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार और निगम आयुक्त विश्वदीप को ज्ञापन सौंपकर मांग रखेगा कि शहीद स्मारक भवन को ठेके पर देने के निर्णय को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। बैठक में पी.एन. तिवारी, सविता पाठक, प्रभात मिश्रा, सुरेश मिश्रा, बबीता नत्थानी, केके अग्रवाल, शैलेंद्र राठौर, मुकेश बावरिया, अजय जैन, धर्मेन्द्र पंड्या, महेश दुबे, चंद्रकांत पांडे, राजेंद्र चतुर्वेदी, अनिरुद्ध दुबे, रमा जोशी, डॉ. रेखा जोशी, प्रभा दुबे, गोविंद खंडेलवाल एवं डॉ. पाठक उपस्थित रहे।

एमआईसी से है प्रस्ताव पारित

मेयर इन कौंसिल की बैठक में शहीद स्मारक भवन के संचालन व संधारण में आ रही दिक्कत को देखते हुए एमआईसी से प्रस्ताव पारित किया था। जिसमें शहीद स्मारक भवन के छत पर फूड जोन और खाली पड़े हिस्से में पार्किंग के लिए अनुबंधित एजेंसी को देने का निर्णय पारित हुआ, जिसमें पार्किंग की दर नगर निगम से एप्रूव की जाएगी। इससे नगर निगम को अतिरिक्त राजस्व मिलने और शहीद स्मारक भवन के संचालन व संधारण में सहूलियत की बात कही गई।

सुझाव का स्वागत, भावना को ठेस नहीं पहुंचेगी

शहीद स्मारक भवन से लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं, हम किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन से विचार-विमर्श कर उनके सुझाव पर विचार करेंगे। इसमें ये भी देखा जाएगा कि इस भवन के खाली हिस्से का दुरुपयोग न हो। जगह का सही उपयोग कर निगम को अतिरिक्त राजस्व मिले, यह भी ध्यान में रखा जाएगा।

- मीनल चौबे
महापौर, नगर निगम रायपुर

कमल बने छत्तीसगढ़ नाप-तौल निर्माता व विक्रेता संघ के अध्यक्ष

रायपुर। रामसागर पारा स्थित एक निजी होटल में रविवार को छत्तीसगढ़ नाप-तौल निर्माता एवं विक्रेता संघ का राज्यस्तरीय अधिवेशन हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ नाप-तौल निर्माता एवं विक्रेता संघ के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ, जिसमें कमल कुमार छत्तीसगढ़ नाप तौल निर्माता एवं विक्रेता संघ के अध्यक्ष पद के लिए फिर से चुने गए। निर्वाचन अधिकारी गोपाल मरोदिया और सहायक चुनाव अधिकारी अंशुमान अग्रवाल ने कमल कुमार को प्रमाणपत्र प्रदान किया। कोमल पवार निर्विरोध छत्तीसगढ़ नाप-तौल निर्माता एवं विक्रेता संघ की सचिव चुनी गईं, जबकि सुधाकर शिंदे निर्विरोध कोषाध्यक्ष बनाए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधिक माप विज्ञान विभाग के नियंत्रक देवेंद्र सिंह भारद्वाज ने निर्माताओं और विक्रेताओं से बाट और माप के नियमों का पालन करने का आव्हान किया।

भाजपा के छह मोर्चा अध्यक्ष आज लेंगे पदभार, भाजयुमो की सुबह बाइक रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन के सात मोर्चा में से एक किसान मोर्चा के अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने तो अलग से एक दिन पहले पदभार संभाल लिया है। अब बचे छह मोर्चा के अध्यक्षों का एक साथ सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पदभार ग्रहण का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और प्रदेश के अन्य महामंत्री और पदाधिकारी रहेंगे।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने अपनी नई कार्यकारिणी का ऐलान किया तो इसमें पदाधिकारियों के साथ ही भाजपा के सात मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित किए गए। अब इन सात मोर्चा में से एक मोर्चा किसान मोर्चा के अध्यक्ष का पदभार होने के बाद बचे छह मोर्चा के अध्यक्ष भाजयुमो के अध्यक्ष राहुल टिकारिहा, महिला मोर्चा की अध्यक्ष विभा अवस्थी, अजा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े, अजजा मोर्चा के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अशोक साहू, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मखमुर इकबाल खान पदभार संभालेंगे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के साथ ही प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय, अखिलेश सोनी और यशवंत जैन के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सभी मोर्चा के पूर्व अध्यक्षभी रहेंगे, जिनसे नए अध्यक्ष पदभार लेंगे।

मंदिर से होगी शुरुआत

इससे पहले भाजयुमो द्वारा श्री टिकरिहा के सम्मान में राजधानी के विभिन्न मार्गों से होकर बाइक रैली निकाली जाएगी। यह रैली सुबह 10 बजे बंजारी माता मंदिर से प्रारंभ होगी और भनपुरी चौक, खमतराई बाजार चौक, फाफाडीह चौक, जयस्तंभ चौक, आंबेडकर चौक, भगत सिंह चौक, तेली बांधा तालाब (मरीन ड्राइव), मेक इन इंडिया चौक, वीआईपी चौक राम मंदिर, फुंडहर चौक, अटल चौक (एक्सप्रेस-वे), प्रदेश कार्यालय मोड़ से होते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर समाप्त होगी।

शामिलात खाते और हाल ही में खरीदी गई कृषि जमीन के पंजीयन में हो रही दिक्कत

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराने में किसानों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से दिलाने के लिए एकीकृत किसान पोर्टल को अब एग्रीस्टैक से जोड़ा है। खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए सभी किसानों को इस पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिन किसानों ने पहले धान बेचने के लिए पंजीयन कराया था। उन्हें भी संशोधन या कैरी फॉरवर्ड से पहले एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। ऐसे किसान, जिनके शामिलात खाते हैं, उनका अलग-अलग नामों से पंजीयन नहीं हो पा रहा है। वहीं ऐसी कृषि जमीन, जिनकी खरीदी-बिक्री कुछ दिनों पहले हुई है, उनका नाम पोर्टल में पंजीकृत नहीं हो पा रहा है। बिना एग्रीस्टैक पंजीयन के कोई भी किसान धान बेचने के लिए पात्र नही होंगे। यह पंजीयन किसान सहकारी समिति और ग्राहक सेवा केंद्र में निशुल्क किया जा रहा है। कई किसानों के पंजीयन के दौरान बहुत सी परेशानियां सामने आ रही हैं। जिला कार्यालय में किसान इसे लेकर अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन उनको कोई मदद नहीं मिल पा रही है।

क्या है एग्रीस्टैक

एग्रीस्टैक एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों की समस्त जानकारी जैसे पहचान, भूमि रिकार्ड, आय, कर्ज, फसल की जानकारी और बीमा इतिहास को डिजिटल प्लेटफार्म पर इकट्ठा करना है। हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान यानी किसान आईडी मिलेगी, जो उनके आधार से लिंक होती है।

किसानों को हो रही ये परेशानी

पंजीयन में किसानों को कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं। किसान जिस सहकारी समिति में पंजीयन कराते हैं। ऐसी कई समितियों का कोड बदला नहीं गया है, जिसके कारण किसानों का पंजीयन नहीं हो रहा है। वहीं ऐसे किसान, जिनकी जमीन शामिलात खाते में दर्ज है, उन किसानों के नाम से अलग-अलग पंजीयन में परेशानी हो रही है। पटवारी खाते में इन किसानों का नाम जोड़कर लिखा होता है। अतः उन्हें पंजीकृत कराने अपने खाते अलग-अलग कराकर पंजीयन के लिए प्रस्तुत करना होगा। ऐसे किसान, जिन्होंने कृषि जमीन अभी खरीदी है, उनका पंजीयन अभी नहीं हो पाएगा। उनका पंजीयन दो साल बाद एग्रीटेक पोर्टल में होगा।

एक ही जगह रहेगी किसानों की जानकारी

एग्रीस्टैक पोर्टल का उद्देश्य किसानों और कृषि नीति निर्माताओं को एक डिजिटल छतरी के नीचे लाना है। खेती-किसानी के डेटा का डिजिटाइजेशन करना, साथ ही सरकारी योजनाओं की पहुंच तेज और सटीक बनाना है, इससे किसानों, सरकारी विभागों और एग्रीस्टैक कंपनियों के लिए डेटा संचालित सेवा देना, फसल भूमि, मौसम, मिट्टी उत्पादन और वित्त संबंधी जानकारी एक जगह उपलब्ध होगी।

इन योजनाओं का मिलेगा लाभ

किसानों से जुड़ी सभी योजनाओं जैसे पीएम किसान निधि, फसल बीमा, खाद बीज, सब्सिडी सीधे किसानों के खाते में आएगी। बाढ़ सूखा से निपटने के उपाय और मार्केट लिंक की डिजिटल जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही एक बार डिजिटल किसान का रजिस्ट्रेशन आईडी हो जाने के बाद बार-बार दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 25 अगस्त 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

एक-दूसरे की पसंद को अपनाने से रिश्तों ...

तीजा-पोरा महोत्सव में छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में संवर कर पहुंचीं प्रतिभागी महिलाएं, पंडवानी-तीजा के गीतों पर जमकर झूमीं

साइंस मैदान स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में तीजहारिन महिलाओं के लिए हुआ तीजा-पोरा त्योहार का भव्य आयोजन

साइंस मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा-पोरा धूमधाम से मनाया गया। इस तीजा-पोरा ग्रैंड सेलिब्रेशन में बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागियों ने विविध पारंपरिक गीत-संगीत, खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेकर त्योहार का आनंद उठाया। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय की ओर से प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए तीजा-पोरा महिला सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भव्य तीजा-पोरा त्योहार सेलिब्रेशन को लेकर महिलाओं में गजब का उत्साह दिखा।

रायपुर। विभाग की ओर से हुए जोरदार स्वागत व सम्मान से सम्मिलित प्रतिभागी महिलाएं अभिभूत दिखे। कार्यक्रम की मेजबानी कर रही महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े छत्तीसगढ़ी पारंपरिक परिधान में दिखीं। उन्होंने सम्मेलन में पहुंची प्रतिभागी महिलाओं को तीजा-पोरा की शुभकामनाएं दी। शुभकामनाएं व आभार व्यक्त करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री ने महिला प्रतिभागियों से कहा कि तीजा धार्मिक, सामाजिक और प्राकृतिक सामंजस्य का पर्व है। माता-बहनें परिवार को जोड़कर स्वर्ग समान बनाए रखने का कार्य करती हैं। सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सावन में खेत-खलिहान हरे-भरे हो जाते हैं, जिनमें गाय-बैलों की अथक मेहनत का योगदान होता है। इसी मेहनत से हमारे धान के कोठार भरते हैं। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद सरोज पांडेय ने भी सम्मेलन में पहुंची महिलाओं को बधाइयां दी। सम्मेलन में विभाग के महिला पदाधिकारी, प्रतिभागी महिलाएं, महिला जनप्रतिनिधियों ने मिलकर तीजा-पोरा महोत्सव को यादगार बनाया।

ठेठरी, खुरमी, कलेवा का लिया स्वाद, मिला तीज का उपहार

कई महिलाओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से त्योहार का आनंद दोगुना हो जाता है और समाज में आपसी मेलजोल भी बढ़ता है। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की गई। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें उपहार स्वरूप साड़ी, श्रृंगार सामग्री और छत्तीसगढ़ी कलेवा भेंट किया।

सरगुजिया साड़ी, रुपियामाला, ऐंठी पारंपरिक आभूषणों से श्रृंगार

सम्मेलन में तीजहारिन महिलाएं पांरपरिक आभूषणों जैसे सरगुजिया साड़ी, रुपियामाला, ऐंठी से श्रृंगार किए नजर आईं। ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक चिन्हारी आभूषणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें तोड़ा, पैरी पैजन, लच्छा, सांटी, झांझ, बिछिया, बिछुआ, चुटकी, ऐंठी, गोल, कंगन या कड़ा टरकउव्वा, कंगन, पटा, ककनी-हर्रया, तरकी, छुमका, ढार, खिनवा, लुरकी, धतुरिया, फुल्ली, नथ, रुपियामाला, तिलरी, कटवा, सूता, करधन, बाजुबंद, खग्गा, फुंदरा और झबली जैसे पारंपरिक आभूषणों के साथ कृषि उपकरण और वाद्ययंत्र भी प्रदर्शित किए गए।

तीजहारिन बहनों ने लगवाई मेहंदी

महिला सम्मेलन आयोजन स्थल पर तीजहारिनों के लिए मेहंदी रस्म के लिए विशेष स्टॉल सजाए गए, जहां पर मेहंदी डिजाइनर्स की टीम ने प्रतिभागी तीजहारिन महिलाओं के हाथों पर उनकी मनपसंद की डिजाइन की मेहंदी लगाई। रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनीं, आलता लगाया और सजधज कर सावन के झूले का आनंद उठाया। यहां मेहंदी, चूड़ियां, आलता के स्टॉल और ग्रामीण परिवेश को जीवंत करते हुए तीजा-पोरा की तैयारियां की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। सम्मेलन में पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले ने पंडवानी की शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। वहीं, लोकगायिका आरु साहू ने तीजा-पोरा के गीत से समां बांधा। प्रतिभागी महिलाएं पंडवानी, तीजा गीत और मांदर की थाप पर कर्मा, राउत नाचा के गीतों व जमकर झूमते नजर आए।

जलेबी दौड़, रस्साकशी खेल को किया एंजॉय

महिलाओं ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह दिखाया। प्रतिभागी महिलाएं कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, नींबू दौड़ और रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताएं में बढ़-चढ़कर भाग लिए और खेल का खूब एंजॉय किया। महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा तिहार की शुरुआत विधि-विधान से शिव-पार्वती और नंदी की पूजा-अर्चना से हुई।

इसके बाद मंचीय कार्यक्रमों में महिलाओं की सहभागिता ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। इन खेलों ने न केवल प्रतियोगिता का रोमांच बढ़ाया, बल्कि पारंपरिक पर्व की आत्मीयता और सामाजिकता को भी जीवंत कर दिया।

महिलाओं ने की श्रृंगार और पूजा सामग्री की जमकर खरीदारी

छत्तीसगढ़ी परंपराओं की खुशबू से महकता त्योहार तीजा आज से प्रारंभ है, जिसे लेकर महिलाओं में उत्साह देखा जा सकता है। रविवार को शहर के प्रमुख बाजारों में हजारों की भीड़ देखने को मिली, जहां महिलाएं खास तौर पर तीजा पर्व की तैयारियों में जुटी रहीं। सुहागिनों ने साड़ी, चूड़ी, सिंदूर और मेहंदी जैसी श्रृंगार सामग्रियों की ख़रीदारी की। शहर के गोलबाजार, शास्त्री चौक, लाखे नगर, शंकर नगर, संतोषी नगर, सुंदर नगर, गुढियारी, और खमतराई जैसे कई क्षेत्रों में रौनक देखते ही बन रहा था। इस मौके पर महिलाएं मेहंदी के स्टॉल, कांच की रंग-बिरंगी चूड़ियों की खरीदी करती दिखीं।

आर्गेंजा, नेट, और पेस्टल शेड्स में मुलायम सिल्क साड़ियों की खरीदी

तीज पर्व से एक दिन पहले साड़ी दुकान में सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली, जहां महिलाएं हजारों की साड़ियां खरीदती नजर आईं। इस वर्ष प्री-ड्रेप्ड साड़ियों की डिमांड अधिक रही, जो प्री-स्टिच्ड होता है। जिनमें पहले से ही पल्लू और प्लीज लगे होते हैं। साथ ही आर्गेंजा, नेट, बनारसी, जॉर्जेट, चिफॉन, टिशू, विस्कोस, क्रेप और सैटिन फेब्रिक में साड़ियों की खरीदी की गई। ऐसे में चटक लाल, मेहरून, ब्लश पिंक, मिंट ग्रीन, लैवेंडर, पीच और पेस्टल शेड्स की साड़ियों की डिमांड सबसे अधिक रही।

आज घरों में करू भात की रस्म

तीजा पर्व का शुभारंभ करू भात की रस्म के साथ किया जाता है, जो व्रत के एक दिन पहले होता है। इसमें महिलाएं करेले की सब्जी खाकर निर्जला व्रत प्रारंभ करती हैं। यह परंपरा शरीर और मन की शुद्धि का प्रतीक माना जाता है। मंगलवार को दिनभर महिलाएं निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करेंगी और पति की लंबी उम्र व सुखद वैवाहिक जीवन की कामना करेंगी। इस दौरान कई स्थानों पर लोकगीत, झूला और गौरा-गौरी की पूजा जैसे सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे, जो तीजा-पर्व को और भी जीवंत बना देते हैं।

लाइव इवेंट

स्टाइलिंग से पर्सनल ब्रांडिंग तक छात्रों ने सीखे सफलता के नए मंत्र

रायपुर। विश्व फैशन दिवस के अवसर पर मैट्स यूनिवर्सिटी के मैट्स स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व विकास और प्रोफेशनल ग्रूमिंग को केंद्र में रखते हुए 'पर्सनालिटी एवं सेल्फ-ग्रूमिंग' विषय पर प्रेरणादायी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विभागाध्यक्ष श्रीमती परविंदर कौर ने स्वागत भाषण में फैशन इंडस्ट्री में आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण की अहमियत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में चांसलर गजराज पगारिया, वाइस चांसलर प्रो. डॉ. के.पी. यादव, प्रो. वाइस चांसलर डॉ. दीपिका ढंड, डायरेक्टर जनरल प्रीयेश पगारिया तथा रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पर्सनल ब्रांडिंग की बारीकियों से अवगत कराया

मुख्य वक्ता डॉ. अनामिका सिंह (मिसेज इंडिया मेडिको दिवा, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं भाजपा पार्षद) ने 'बी द ब्रेंड यू वेयर थीम' पर छात्रों को पहली छाप, बॉडी लैंग्वेज, आत्मविश्वास निर्माण, पब्लिक स्पीकिंग, नेटवर्किंग और पर्सनल ब्रांडिंग की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने समय प्रबंधन, फिटनेस, पोश्चर और अनुशासन को भी फैशन एवं ग्लैमर जगत की सफलता के लिए अनिवार्य बताया। इंटरएक्टिव सत्र में छात्रों ने प्रोफेशनल स्टाइलिंग, ग्रूमिंग और कम्युनिकेशन स्किल्स सीखी। कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह आयोजन छात्रों को क्लासरूम से कैटवॉक तक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता हुआ, सफलता के नए आयाम छूने का संदेश देकर संपन्न हुआ।

सिटी इवेंट

'रोटी' ने दिखाई लोकतंत्र की विडंबना व्यंग्य ने दहेज और नई सोच पर खोली आंखें

रायपुर। सड्डू स्थित जनमंच में आयोजित तीन दिवसीय 'रंग परसाई' में दूसरे दिन रचना मिश्रा के निर्देशन में हरिशंकर परसाई की 9 लघु कथाओं के कोलाज के रूप में दर्शकों ने परसाई की व्यंग्य विविधता के अलग-अलग 9 रंगों, स्थितियों को देखा। परसाई की लघुकथा रोटी, चौबेजी की कथा, जाति, उपदेश, सुशीला, होनहार, अनुशासन, अश्लील पुस्तकें तथा एक वैष्णव कथा के जरिए समाज में व्याप्त कई तरह की विसंगतियां, दोगलेपन और बदलती परिस्थितियों का पर्दाफाश किया गया। परसाई की रचनाओं पर आधारित नाट्य कोलाज की शुरुआत उनकी प्रसिद्ध लघुकथा 'रोटी' से की गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से व्यवस्था की क्रूरता और असंवेदनशीलता को तीखे व्यंग्य के साथ उजागर किया गया। कहानी में प्रजातंत्र का राजा, जहांगीर की तरह अपने महल के सामने एक जंजीर लटकाकर यह घोषणा करता है कि जिसे भी शिकायत करनी हो, वह जंजीर खींचे और राजा स्वयं उसकी फरियाद सुनेगा।

चौबेजी की कथा : दहेज और बदलता दौर

चौबेजी की कथा दहेज प्रथा और वर पक्ष की लालच पर व्यंग्य है। उनका बेटा अशोक एम.ए. प्रथम श्रेणी से पास होकर नौकरी की तलाश में है। वे चाहते हैं कि उसकी शादी करा दी जाए। उधर, मिश्रजी की बेटी शीला भी एम.ए. प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण है और विवाह योग्य है। बातचीत और लेन-देन तय होते हैं, तभी चौबेजी अफसोस जताते हैं कि बेटे को 'डिप्टी कलेक्टर लड़के' जैसी कीमत क्यों न मिली। लेकिन, शीला साफ कह देती है कि वह किसी जूनियर सरकारी कर्मचारी से विवाह नहीं करेगी। आत्मविश्वास से रिश्ता तोड़ते हुए वह अपनी योग्यता को सर्वोपरि मानती है।

जाति और उपदेश : परसाई का तीखा व्यंग्य

परसाई की लघुकथा 'जाति' समाज में जातिगत सोच की गहरी जड़ों पर प्रहार करती है। कारखाने में ठाकुर साहब और पंडितजी साथ काम करने लगे, पड़ोस में रहने लगे, परंतु जब ठाकुर का बेटा और पंडित की बेटी जवां हुए तो पुरानी जातिगत दीवारें तुरंत खड़ी हो गईं। वहीं 'उपदेश' कथनी और करनी के अंतर को उजागर करती है। परसाई के नौ रंग नाट्य प्रस्तुति में हेमंत यादव, उमेश उपाध्याय, संध्या वर्मा, श्रीमती सीमा सोनी, धावेन्द्र रजक, भूपेन्द्र कुमार, महेश्वर ध्रुव ने अलग-अलग भूमिकाएं निभाई। रंग परसाई की नेपथ्य परे व्यवस्था में सुश्री प्रीति भोकासे, नाट्य प्रस्तुति में संगीत संयोजन प्रथम गुप्ता ने किया। प्रकाश एवं प्रचार -प्रसार व्यवस्था महेन्द्र सिंह राजपूत, योगेश साहू, संदीप जांगड़े की थी। वेशभूषा में सुमित भारती, कौशल्या यादव ने सहयोग किया।

तीज को खास बनाने थ्रीडी नेल आर्ट का बढ़ा क्रेज

तीज का त्योहार नजदीक आते ही शहर की महिलाएं तैयारियों में जुट गई हैं। पारंपरिक व्रत और उत्सव की रौनक को और खास बनाने के लिए महिलाएं शॉपिंग, मेहंदी और मेकअप पर खास ध्यान दे रही हैं। हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए ट्रेंडिंग, मेहंदी डिजाइन और स्टाइलिश नेल आर्ट की एडवांस बुकिंग जोरों पर है। हरिभूमि ने मेकअप व मेहंदी आर्टिस्ट से बातचीत की। श्याम नगर की मेकअप आर्टिस्ट और नेल आर्ट डिजाइनर प्रीति साहनी ने बताया कि इस समय कैट आई नेल्स सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इसके साथ महिलाएं क्रोम आर्ट करवा रही हैं, जिससे नेल्स पर आकर्षक शाइन आती है। उन्होंने बताया कि खासतौर पर नई व्रती महिलाएं इन डिजाइंस को ज्यादा पसंद कर रही हैं।

प्रीति ने बताया कि इस सीजन में थ्रीडी नेल आर्ट का क्रेज भी तेजी से बढ़ा है। इसमें नेल्स को फिनिशिंग देने के बाद छोटे फ्लॉवर, तितलियां और रंगबिरंगे स्टोन लगाकर डिजाइन किया जाता है, जो बिल्कुल असली जैसा लुक देता है। खास बात यह है कि यह आर्ट एक से डेढ़ महीने तक टिकाऊ रहता है।

इंतजार कम, समय बचा रहीं महिलाएं

मेकअप आर्टिस्ट रश्मीत कौर ने बताया कि इस समय नेल आर्ट को लेकर महिलाओं में जबरदस्त उत्साह है। लगभग सभी एडवांस बुकिंग कर रही हैं, जिससे उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता और समय की बचत होती है। रश्मीत के अनुसार, नेल आर्ट का शुल्क 500 रुपए से 5000 रुपए तक होता है, जो डिमांड और डिजाइन की जटिलता के आधार पर तय किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस सीजन में खासतौर पर वाइब्रेंट कलर्स, डायमंड स्टोन डिजाइन और फोटो नेल आर्ट सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। फोटो नेल आर्ट में महिलाएं अपने नेल्स पर दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें बनवाने की डिमांड कर रही हैं, जो त्योहार और खास मौकों पर आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

मेहंदी में फ्लोरल आर्ट के प्रति बढ़ रहा लगाव

फ्रीलांसर मेंहदी डिजाइनर संजना यादव ने बताया कि तीज व्रत के लिए इस समय फ्लोरल आर्ट सबसे ज्यादा डिमांड में है। उन्हें रोजाना 10 से 15 बुकिंग के ऑर्डर मिल रहे हैं। महिलाएं अपनी पसंद की डिजाइन हाथों पर लगवा रही हैं, जिनमें लोटस मेहंदी, दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें और पति का नाम शामिल है। उन्होंने बताया कि अल्तामास मेहंदी से कम समय लगता है और इसका रंग 7 से 8 दिन तक टिका रहता है। कई महिलाएं मोबाइल से डिजाइन दिखाकर भी ऑर्डर देती हैं। डिजाइन के अनुसार कीमत 300 से 4000 रुपए तक रहती है। संजना के मुताबिक, भारी दूल्हन मेंहदी बनाने में 3 से 4 घंटे लगते हैं, जबकि ट्रेंडी और सिंपल आर्ट को तैयार करने में 2 से 3 घंटे का समय लगता है।

धर्म लाइव

जरामदेव सा पीर जन्मोत्सव में सत्संग और संकीर्तन में रमेंगे भक्त परिवार

रायपुर। भगवान द्वारकाधीश के अवतार बाबा रामदेव सा पीर का जन्मोत्सव इस बार भी धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव पर आयोजित 'एक शाम राम देवसा पीर के नाम' से प्रदेश के दूसरे शहरों और स्थानीय भक्त परिवार इस भव्य सत्संग व संत समागम में तीन हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। रविवार की रात ठाकुर विघ्नहरण सिंह भवन सरोना में रातभर भजन संध्या का सिलसिला चलेगा। रविवार को पत्रकार वार्ता में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद शहर जिला मंत्री एवं गुजरगौड़ ब्राह्मण समाज के प्रांतीय महामंत्री पुखराज जोशी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरोना में रामदेव सा पीर के जन्मोत्सव का हिस्सा बनने के लिए जहां गुजरगौड़ ब्राह्मण समाज के लोग शामिल होंगे। रविवार शाम सात बजे से सोमवार को सुबह सात बजे तक इस भक्तिमय आयोजन में हर वर्ग के लोग शामिल होंगे।

इनकी उपस्थिति में जन्मोत्सव का आगाज

इस भक्तिमय समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पश्चिम क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत, हिन्दू नेता और विधायक शिव बाडमेर राजस्थान रविंद्र सिंह भाटी एवं पोखरण के विधायक प्रतापपुरी महाराज तारातरा मठ बाडमेर वर्तमान विधायक परमाणु नगरी पोखरण और छत्तीसगढ़ के युवा कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल, महासचिव राजस्थान गौरव सारण भी सत्संग और जन्मोत्सव में शिरकत करेंगे। वहीं, महीपाल सिंह मकराना, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजपूत करणी सेना, प्रदीप गौर ने टीम वर्क करते हुए इसे खास अवसर बनाने के लिए व्यवस्था बनाई।

हैप्पी रिलेशनशिप का सीक्रेट मंत्रः प्यार, समझ और क्वालिटी टाइम

एक-दूसरे की पसंद को अपनाने से रिश्तों में आएगा संतुलन खूबियों और कमियों को जानकर भावुक हुए कपल्स

शादी के बाद व्यक्ति जब जीवन की जिम्मेदारियों में उलझता है, तो अक्सर वही रिश्ते धीरे-धीरे पीछे छूटने लगते हैं, जिनकी बुनियाद पर वह जीवन का सफर शुरू करता है। काम की व्यस्तता, सामाजिक अपेक्षाएं और पारिवारिक दबाव के चलते दाम्पत्य जीवन में संवाद की कमी, तालमेल में कमी और मनमुटाव की स्थितियां बढ़ने लगती हैं। ऐसी समस्याओं को समझते हुए जेसीआई रोयल कैपिटल द्वारा 'प्यार का नगमा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कपल ट्रेनिंग प्रोग्राम में विवाहित जोड़ों में समझदारी और भावनात्मक जुड़ाव की नई दिशा तय की गई। यह कार्यक्रम वीआईपी रोड स्थित मधुबन फार्म हाउस में रविवार को आयोजित की गई।

रायपुर। 'हाथों में लव लेटर और प्यार भरी मुस्कान..कपल ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान एक खास सेशन में जब पार्टनर्स ने एक-दूसरे को लव लेटर और सरप्राइज गिफ्ट दिए, तब कपल्स भावुक हो उठे। कई कपल्स अपने लेटर पढ़ते वक्त भावुक हो उठे। उन्होंने उन जज़्बातों को शब्दों में लिखा, जो अब तक कभी बोल नहीं पाए थे। कार्यक्रम में कुछ जोड़ों ने प्यार का इज़हार किया, तो कुछ ने गलतियों के लिए माफ़ी मांगते हुए नए सिरे से रिश्ते की शुरुआत की बात कही। सरप्राइज़ गिफ्ट और लेटर के ज़रिए कपल्स ने अपने साथी के लिए प्रेम, आदर और भावनाएं व्यक्त कीं।'

कपल्स ने एक-दूसरे की अच्छी और बुरी आदतें लिखी

कपल ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत एक अनोखे सेशन के साथ की गई, जिसमें कुल 32 प्रतिभागी जोड़ों को एक-दूसरे की 10-10 अच्छी और बुरी आदतें लिखने को कहा गया। सत्र के दौरान जब पति-पत्नी ने एक-दूसरे की लिखी बातें पढ़ीं, तो माहौल में गंभीरता और अपनापन दोनों नजर आया। कई कपल्स ने कहा, हमने कभी इस तरह एक-दूसरे के बारे में खुलकर सोचा ही नहीं था। ऐसे में कुछ ने अपनी आदतों को लेकर बदलाव और सुधार की इच्छा भी जताई। बातचीत के इस दौर में कपल्स को एक-दूसरे को करीब से जानने और समझने का मौका मिला।

बैलेंस रिलेशनशिप के लिए समझने का प्रयास करें

कार्यक्रम के दौरान मुख्य व्याख्याता के रूप में राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने बताया कि बैलेंस रिलेशनशिप के लिए एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें। उदाहरण के तौर पर अगर आप अपनी पत्नी से अधिक प्रेम करते हैं, और वह बच्चों से, तो आप भी बच्चों के साथ समय बिताना शुरू करें। जब आप एक-दूसरे की पसंद-नापसंद को अपनाने लगते हैं, तो रिश्तों में सहजता और सामंजस्य बढ़ता है। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में रिलेशनशिप में सुधार नजर आने लगेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्पर्श लखीना ने की। इसमें शहर के अलावा ओडिशा और महाराष्ट्र के जोड़ें भी शामिल हुए।

पार्टनर जैसा है, उसे वैसे स्वीकारें

खुशहाल लव लाइफ के लिए यह जरूरी है कि आप अपने पार्टनर को वह जैसा है, उसे वैसे ही स्वीकारें। अपने पार्टनर पर जब भी गुस्सा आए, तो सबसे पहले अपने मन को शांत रखकर यह सोचना चाहिए कि हमें उन्हें जैसा है, वैसा ही स्वीकार करना है। इससे आपका गुस्सा शांत हो जाएगा। जितना काम जरूरी है, उतना ही जरूरी परिवार और परिवार के सदस्य भी। भारतीय परंपरा के अनुसार हम अपने परिवार से दूर नहीं रह सकते हैं, इसलिए वर्तमान को बेहतर ढंग से जीना शुरू करें और परिवार के लिए हमेशा काम से समय निकालें।

सिटी लाइव

बीएआई कार्यशाला का हुआ समापन अभियंताओं की समस्याओं पर हुई चर्चा

रायपुर। बीएआई की दो दिवसीय चले रहे कार्यशाला के समापन अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। इस दौरान एमएसएमई सेक्टर की चुनौतियों और विभिन्न राज्यों में ईपीएफ भुगतान में हो रही देरी पर भी विस्तार से चर्चा हुई। एसोसिएशन ने मांग रखी कि इन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शासन विशेष नीति बनाए। उप मुख्यमंत्री ने बिल्डरों और ठेकेदारों को भरोसा दिलाया कि राज्य से होने वाले कार्यों में जीएसटी का भुगतान अलग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिल्डरों और ठेकेदारों की अन्य समस्याओं का भी शीघ्र समाधान किया जाएगा। विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी विभाग से जुड़ी मुख्य अभियंता स्तर की समस्याओं का निवारण प्राथमिकता पर किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कंबोह, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन रुपेश सिंघल, पूर्व चेयरमैन कंवलजीत सिंह ओबेरॉय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के.सी. राव, आयोजन समिति के चेयरमैन आलोक शिवहरे, वेस्ट ज़ोन सचिव दिलीप सिंह कुशवाहा, सेंटर चेयरमैन सुशील अग्रवाल, राजेश हुड्डा, रवि त्रिपाठी, संजय कृष्णानी, रोहित चावला, हरसिमरन सिंह ओबेरॉय, समीर पोद्दार, निर्भय देशलहरा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इच्छाओं का संयम और आत्मशुद्धि ही पर्यूषण का सार

रायपुर। भैरव सोसायटी प्रांगण स्थित हिरसुरी आराधना भवन में परम पूज्य गुरु भगवंतों के सान्निध्य में चल रहे परमाधिराज पर्युषण महापर्व की आराधना के अंतर्गत रविवार को दिव्य प्रवचन का आयोजन हुआ। गुरु भगवंतों ने दो विशेष विषयों पर प्रकाश डालते हुए श्रावक-श्राविकाओं को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया। प्रवचन की शुरुआत गर्भावस्था में मातृ-जीवन की सावधानियों से हुई। गुरु भगवंत ने कहा कि गर्भकाल शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण 'डेवलपिंग पीरियड' होता है। इस दौरान मां को सात्विक एवं पौष्टिक भोजन ग्रहण करना चाहिए तथा मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग, निरर्थक फिल्में या वेब सीरीज देखने और मानसिक तनाव से बचना चाहिए। उनके अनुसार गर्भकाल में मां के विचार, आहार और आचरण ही भविष्य के बच्चे के संस्कारों की नींव होते हैं। इसके उपरांत गुरु भगवंत ने पर्युषण पर्व की आध्यात्मिक महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्युषण का अर्थ है- अपने भीतर ठहरना, इच्छाओं को संयमित करना और आत्मचिंतन करना। वर्ष के चार महीनों में आत्मशुद्धि का अवसर मिलता है, किंतु इनमें से सबसे पुण्यदायी समय यही आठ दिवस हैं, जिन्हें परमाधिराज पर्व कहा जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बताया कि गुरु भगवंतों के सान्निध्य में कल्पसूत्र वाचन का दिव्य अवसर भी मिला, जिसमें जगतजननी त्रिशला माता द्वारा देखे गए 14 महा स्वप्नों की वाचना ने सभी को भावविभोर कर दिया। भैरव सोसायटी का वातावरण रविवार को भक्ति, तप और आत्मशुद्धि की अलौकिक सुगंध से सराबोर रहा।

जीवन का आनंद लेना हो तो जीवन को मर्यादित कर लो

टैगोर नगर पटवा भवन में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के पांचवे दिन रविवार को परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि जीवन में दूसरों को नहीं, कर्मों को जीतना लक्ष्य होना चाहिए। हमें दूसरों को नहीं सुधारना है, स्वयं को सुधारना है। अज्ञान को मिटाना लक्ष्य है। समता की पराकाष्ठा को छूना है। अपने भीतर के महावीर को जगाने का प्रयास करें।

ऐसा पुरुषार्थ करो कि जीवन का कल्याण हो जाए

आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत शनिवार को पर्वाधिराज पर्युषण के चतुर्थ प्रभात पर दादाबाड़ी में आयोजित प्रवचन में परम पूज्य हंसकीर्ति श्रीजी म.सा. ने कहा कि भोग की दुनिया चाहे कितनी भी विशाल क्यों न लगे, उसका स्वरूप धर्म की दुनिया से बिल्कुल भिन्न है। भोग हमें क्षणिक सुख का आभास तो कराता है, लेकिन आत्मा के कल्याण का मार्ग केवल धर्म ही प्रशस्त करता है। इसलिए, आवश्यक है कि हम जीवन को केवल भोग और बाहरी सुख-सुविधाओं में न गंवाएं। बल्कि, ऐसा प्रयास करें जिससे आत्मिक शांति और कल्याण प्राप्त हो सके।

वीआईपी रोड में श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा आज से

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन 25 अगस्त से 1 सितंबर तक रामस्वरूप निरंजनलाल भवन, वी.आई.पी. रोड, रायपुर में होगा। कथा का समय दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक निर्धारित है। समस्त अग्रवाल परिवार (रायपुर और कटनी) द्वारा आयोजित इस कथा में व्यास पीठ पर आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी जी 'बांके बाबा' मथुरा वाले विराजमान होंगे। आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी, जो पूज्य गोस्वामी गोविंद बाबा के ज्येष्ठ पुत्र हैं, अपनी रसमयी और ओजस्वी वाणी से भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रिवेणी प्रवाहित करेंगे। मथुरा नगरी में जन्मे आचार्य जी ने आगरा विश्वविद्यालय-वाराणसी से साहित्य में आचार्य की उपाधि और हिन्दी में एम.ए. प्रथम वर्ष तक की शिक्षा प्राप्त की है। अपने पिता और गुरु गोस्वामी गोविंद बाबा से गुरुदीक्षा प्राप्त कर उन्होंने वंश परंपरा को आगे बढ़ाया। उनके आराध्य श्री राधामदन मोहन और ईष्टदेव हनुमान जी की भक्ति में वे निरंतर लीन रहते हैं। यह साप्ताहिक कथा 25 अगस्त को मंगल कलश और श्रीमद् भागवत जी की शोभायात्रा के साथ शुरू होगी, जो प्रातः 9 बजे राम मंदिर, वी.आई.पी. रोड से कथा स्थल तक जाएगी। अंतिम दिन 1 सितंबर को गीत पाठ, हवन और पूर्णाहुति के साथ कथा का समापन होगा।

चालीहा महोत्सव की तैयारी तेज व्यवस्था बनाने दी जिम्मेदारी

रायपुर। सिंधी समाज द्वारा चालीहा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि सिंध प्रांत में जब सिंधी समाजजन निवासरत थे, तब उस समय के मुगल बादशाह ने उनके ऊपर अत्याचार किया। तब सिंधी व हिंदू समाज सिंधु नदी के किनारे एकत्रित हुए और 40 दिनों तक व्रत उपवास रखकर भगवान की आराधना की। जिससे वहां आकाशवाणी हुई वरुण अवतार भगवान झूलेलाल जन्म लेंगे। 40 दिनों की आराधना के बाद भगवान झूलेलाल ने अवतरण लिया व मुगल बादशाह के अत्याचारों का अंत किया। इस मान्यता के तहत सिंधी समाज के लोग 40 दिनों तक उपवास रखते और झूलेलाल की आराधना करते हैं। अब चालीहा महोत्सव के समापन पर 28 अगस्त को साईं शेहरा वाले के सानिध्य में भजन, सत्संग के साथ एक भव्य जुलूस तेलीबांधा से निकाला जाएगा। इसमें आस की मटकी और बहराणे साहब की शोभायात्रा भी निकाली जाएगी, इसका मरीन ड्राइव में समापन होगा।

सारथी करेंगे झूलेलाल की आरती का इंतजाम

सेवादारी महेश रोहरा, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने बताया कि आयोजन को भव्य रूप देने के लिए अहमदाबाद के शेहरा शहर से साईं शेहरा वाले का आगमन 27 अगस्त को होगा। सुचारू रूप से आयोजन करने के लिए कई समितियों का गठन किया है। इसमें मुख्य रूप से लंगर सेवा, शोभायात्रा, भोजन, पंडाल सेवा को प्रमुख लोगों को दिया गया है। बहराणे साहब की व्यवस्था और मरीन ड्राइव में भगवान झूलेलाल की आरती सारथी संस्था को दी गई है। अतिथि भोजन और पंडाल में दी जाने वाली सेवा तनेश आहूजा, सपना कुकरेजा व साईं शेहरा वाले समिति को दी है। इस आयोजन का संचालन गुलशन उदासी, दीपक थावानी सहित प्रमुख सेवादारों को ही बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

समाज इवेंट

नुआखाई शोभायात्रा का कई जगह स्वागत, पारंपरिक अंदाज में उत्सव

रायपुर। उड़िया गांड़ा समाज की अगवानी में नुआखाई शोभायात्रा संचालन समिति ने रविवार को नुआखाई के उपलक्ष्य में बूढ़ी माता मंदिर राजेन्द्र नगर से दोपहर तीन बजे पूजा-पाठ करने के बाद पारंपरिक अंदाज में शोभायात्रा निकाली। उत्सव से पहले लोग उत्सव का हिस्सा बने। समिति के सूरज सोना और जितेन्द्र तांडी की टीम ने शोभायात्रा का सफल संचालन करते हुए व्यवस्था की कमान संभाली। गीत-संगीत के साथ नाचते-गाते हुए कलाकारों ने इस अवसर को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। संबलपुरी सेलिब्रिटी रुकु सोना भी अतिथि के रूप में इस समारोह का हिस्सा बने। इसमें उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा और दक्षिण के विधायक सुनील सोनी और बाबा उदय नाथ ने समाज को उत्सव के लिए अग्रिम बधाई दी। साथ ही छत्तीसगढ़ के विकास में समाज के योगदान को भी अतिथियों ने सराहा और उत्साह बढ़ाया।

इन मार्गों से होकर आगे बढ़े समाज के लोग

जयघोष के साथ शोभायात्रा बूढ़ी माता मंदिर राजेन्द्र नगर से प्रारंभ होने के बाद गोवर्धन चौक पहुंची। केनाल रोड से आगे बढ़ते ही युवा उत्साह देख गाजे-बाजे के साथ नृत्य करती युवाओं की टोली आकर्षण का केन्द्र बनी। भगत सिंह चौक, नगर घड़ी चौक, शास्त्री चौक से मोतीबाग मधुसुदन चौक पहुंचने पर अलग-अलग समाज और संस्थाओं के द्वारा शोभायात्रा का मंच के माध्यम से स्वागत किया गया। शोभायात्रा का ग्रास मेमोरियल ग्राउंड में ग्रास समापन किया गया। इसके बाद आयोजन समिति ने आगामी उत्सव को खास बनाने को लेकर आकाशवाणी चौक के पास रात में मीटिंग में प्लानिंग की गई।

कार्नर न्यूज

वीआईपी रोड शगुन फार्म में उदयपुर की नारायण सेवा संस्थान ने लगाया निशुल्क लिंब फिटमेंट कैम्प

व्हीलचेयर, बैसाखी और लाठी छोड़ 382 दिव्यांग कृत्रिम पैरों से अब नापेंगे दुनिया, खुशी से मिलाएंगे हाथ

रायपुर। मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होता है, जब उसका अस्तित्व दूसरों के जीवन में प्रकाश और आशा की किरण बने। इसी दिव्य ध्येय को साकार करते हुए नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने वीआईपी रोड के विशाल नगर स्थित शगुन फार्म में नारायण लिंब एवं कैलिपर्स फ़िटमेंट कैम्प का निःशुल्क आयोजन किया गया। इसमें कृत्रिम हाथ-पैर मिलने की आस लिए प्रदेश ही नहीं, मध्यप्रदेश, ओडिशा और झारखंड से भी लोग इस निःशुल्क कैम्प का हिस्सा बनने के लिए दिव्यांगों के साथ पहुंचे। इसके चलते चिकित्सा शिविर में असंख्य टूटे सपनों और ठहरी हुई जिंदगी को फिर से गति देने का प्रयास संस्था ने किया। इसमें व्हील चेयर, बैसाखी, लाठी और ट्रायसिकल के सहारे जीवन की गाड़ी खींचने वाले युवा, बुजुर्ग और बच्चे भी जीवन को सहारा मिलने से खुश नजर आए।

वालंटियर्स ने व्यवस्था बनाने में दिया साथ

संस्था से जुड़े देवेन्द्र गुप्ता ने बताया कि सुबह 8 से शाम 6 बजे तक आयोजित कैम्प के दौरान अलग-अलग क्षेत्र से आए दिव्यांगों और उनके परिजनों को भोजन और स्वास्थ्य सेवा से जोड़ने में अहम कड़ी का काम संस्था से जुड़े वालेंटियर्स ने किया। इससे पहले आने वाले लोगों का जिस तरीके से अप्रैल में कृत्रिम हाथ-पैर देने के लिए नाप लिया गया था, उसी के अनुरूप सुबह से शाम तक कृत्रिम अंग लगाने से पहले उपयोग की जानकारी दी गई। इसके बाद दिव्यांगों को कृत्रिम अंग दिया गया।

45 लोगों की टीम ने बनाए कृत्रिम अंग

विशिष्ट अतिथि अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबडा ने डिप्टी सीएम के साथ कैम्प का शुभारंभ दीप जलाकर किया। इस दौरान मंच पर समाजसेवी ओपी निगम, संजय पारख, मीरा राव, डॉ. अशोक भट्टड, सीताराम अग्रवाल, पंकज शर्मा व अनंत श्रीवास्तव का स्वागत मेवाड़ी परंपरा से किया गया। संस्थान के संरक्षक महेश अग्रवाल ने अप्रैल के बाद ही अगस्त में कैम्प की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 45 एक्सपर्ट की टीम ने मिलकर 382 लोगों का कृत्रिम हाथ-पैर जर्मन टेक्नोलॉजी से तैयार किया है। डॉक्टरों ने न केवल अंग लगाए, बल्कि उन्हें उपयोग और देखभाल का प्रशिक्षण भी दिया। इस कैम्प में जनसंपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने सहयोग दिया।

कैम्प में शामिल हुए डिप्टी सीएम साव

इस कैम्प में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी सीएम अरुण साव शामिल हुए। उन्होंने इस चिकित्सा कैम्प में शामिल होने के अपने अनुभव को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा, नारायण सेवा संस्थान सचमुच अपने नाम को सार्थक करते हुए समाज को संदेश दे रहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। जिस किसी परिवार में एक सदस्य असहाय होता है तो उससे पूरा परिवार पीड़ा झेलता है। जब वही सदस्य फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो जाता है तो दिव्यांग के साथ ही उसके परिवार को उम्मीद की किरण मिली है। डिप्टी सीएम एक ऐसी बेटी से भी मिले, जिसने अपने जन्म दिन पर दोहरी खुशी साझा की। डिप्टी सीएम साव ने जेब में हाथ डाला और जितना भी पैसा पाकेट में था, उसे उपहार स्वरूप बिटिया को देने के बाद आगे बढ़े।

हेल्थ टिप्स

साइकिल सिंकिंग के अनुसार करें वर्कआउट, मिलेंगे मनचाहे रिजल्ट

फिट रहने के लिए वर्कआउट करना काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि, अगर आप अपनी पीरियड साइकिल सिंकिंग के अनुसार वर्कआउट करती हैं तो इससे आपको काफी अच्छे रिजल्ट्स मिल सकते हैं। यह तो हम सभी जानती हैं कि हेल्दी लाइफ जीने के लिए वर्कआउट करना बेहद जरूरी है। जब आप वर्कआउट करती हैं तो इससे शरीर में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं। साथ ही साथ, बॉडी अधिक टोन्ड नजर आती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पूरे महीने आप एक तरह से वर्कआउट कर सकती हैं। खासतौर से, महिलाओं के लिए सिर्फ वो पांच-सात दिन ही मुश्किल भरे नहीं होते हैं, बल्कि पूरे महीने उनके शरीर की एनर्जी, मूड, हार्मोन आदि काफी ऊपर-नीचे होते रहते हैं। ऐसे में अपनी बॉडी की सुनते हुए जब आप अपने वर्कआउट को एडजस्ट करती हैं तो इससे आपको बेस्ट रिजल्ट मिलते हैं।

दरअसल, पूरा महीने हमारी बॉडी चार अलग-अलग फेज से गुजरती है और हर फेज में शरीर एक अलग तरह से काम करता है। यही वजह है कि आपको उन फेज को समझते हुए वर्कआउट करना चाहिए। इसे ही साइकिल सिंकिंग वर्कआउट कहा जाता है। पावरलिफ्टिंग में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर और एनीटाइम फिटनेस के फिटनेस ट्रेनर विनय माहौर ने साइकिल सिंकिंग वर्कआउट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी है।

मेंस्ट्रुअल फेज

यह वह फेज होता है, जब आपके पीरियड्स चल रहे होते हैं। यह करीबन पांच दिनों का फेज होता है, जिसमें एस्ट्रोजन व प्रोजेस्ट्रोन दोनों ही हार्मोन कम होते हैं। जिसकी वजह से आपको एनर्जी कम लगती है और शरीर काफी थका हुआ महसूस होता है। इस दौरान आपको इंटेंस वर्कआउट करने से बचना चाहिए। इसकी जगह लो इंटेसिटी वर्कआउट, योग, वॉक या हल्की स्ट्रेचिंग की जा सकती है। हालांकि, अगर आपको बहुत अधिक थकान हो तो आप एक-दो दिन पूरी तरह से आराम करें।

फॉलिकुलर फेज

पीरियड्स के बाद का अगला सप्ताह फॉलिकुलर फेज माना जाता है। यह वह फेज होता है, जब आपकी एनर्जी वापस आने लगती है, क्योंकि एस्ट्रोजन बढ़ने लगता है। ऐसे में आपका मूड भी अच्छा रहता है। इस दौर में आप मॉडरेट से लेकर हाई इंटेसिटी वर्कआउट कर सकती हैं। वर्कआउट में इस दौरान एक्सपेरिमेंट किए जा सकते हैं। आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से लेकर कार्डियो, डांस या जुम्बा को अपने वर्कआउट का हिस्सा बनाएं। चूंकि, एनर्जी ज्यादा होती है, इसलिए नए वर्कआउट्स भी ट्राई किए जा सकते हैं।

ओव्यूलेशन फेज

फॉलिकुलर फेज के बाद आता है ओव्यूलेशन फेज। यह करीबन 2-3 दिन का होता है और इस समय आपकी एनर्जी सबसे ज्यादा होती है। इस फेज में एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन दोनों ही हाई रहते हैं। जिससे इस समय आपका स्ट्रेंथ और स्टेमिना दोनों ही काफी हाई होता है। अगर आप इंटेंस वर्कआउट जैसे हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग, हैवी वेट्स उठाना, सर्किट ट्रेनिंग करना या स्प्रिंट्स आदि कर सकती हैं।

ल्यूटल फेज

ओव्यूलेशन फेज के बाद आखिरी में

ल्यूटल फेज आता है, जो करीबन दस दिन का होता है। इस दौरान आपको मूड स्विंग्स और क्रेविंग्स हो सकती हैं, और थकान भी महसूस होती है। इस दौरान आप हल्के से लेकर मीडियम इंटेंसिटी वर्कआउट कर सकती हैं। वॉकिंग, योग या फिर लाइट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना इस समय काफी अच्छा रहेगा।

इस आदत के चलते कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से घिर सकते हैं आप

आप जरूरत से ज्यादा सोचते हैं तो सेहत को पहुंचा रहे हैं नुकसान, हावी मत होने दीजिए नकारात्मकता

आज के परिवेश में, आप कई नए-नए हेल्थ टर्म सुन या देख रहे होंगे। ओवरथिंकिंग या जरूरत से ज्यादा सोचना भी इन्हीं में से एक है। चाहे, ओवरथिंकिंग हो, डिप्रेशन हो, मेंटल हेल्थ की बात हो या फिर कोई अन्य टर्म, ये सब होती तो पहले भी थी। लेकिन, इसपे खुलकर बातें नहीं होती थी।

बता दें कि, ओवरथिंकिंग एक प्रकार की नकारात्मक आदत है। जिसका शिकार होने के बाद, व्यक्ति कई तरह के स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से घिरने लग जाता है। आपने भी, खुद को ओवरथिंकिंग करते हुए, कभी ना कभी तो महसूस जरूर किया होगा। यही आदत जब धीरे-धीरे बढ़ने लग जाती है तो व्यक्ति को अपने चपेट में लेती है। और फिर ऐसे लोग दिन-प्रतिदिन नकारात्मक विचारों की तरफ आकर्षित होते चले जाते हैं।

पहले भी, लोगों में इन कारणों को देखा जाता रहा है। लेकिन, उस समय लोग उचित लाइफस्टाइल तरीका अपनाकर, खुद ही इससे उभर जाते थे। परंतु आज के दौर में इसके कारण आमतौर पर डिप्रेशन, एंग्जाइटी और स्ट्रेस जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इस समस्या के लिए किसी तरह की मेडिसिंस नहीं बनी है। तो, इससे निजात पाने के लिए आपको खुद पर भरोसा करते हुए कुछ स्टेप्स लेने की जरूरत पड़ती है। तो चलिए जानते हैं, क्या है वो 5 बेस्ट स्ट्रेटेजी जिसे अपनाकर ओवरथिंकिंग से छुटकारा पाया जा सकता है।

नेगेटिव विचारों से ध्यान हटाना सीखें

यदि आप ओवरथिंकिंग करते हैं या लगता है कि आप ओवरथिंकर बनते जा रहे हैं। ऐसे में जरुरी है कि, अपने आप को मन पसंदीदा कामों में ज्यादा व्यस्त रखें। साथ ही, खुद को नकारात्मक विचारों से डिस्ट्रेक्ट यानि की दूर रहने की कोशिश करें। अपने पसंद के मुताबिक, आप चाहे तो किचन में कोई नई रेसिपी भी ट्राई कर सकते हैं। या फिर, वर्कआउट क्लास और पेंटिंग जैसी गतिविधियों में समय बिता सकते हैं। क्यूंकि, आप जब अपने पसंदीदा कामों में ज्यादा व्यस्त और खुश रहने लग जाएंगे फिर, ओवरथिंकिंग की नौबत ही नहीं आ पाएगी।

अपना ट्रिगर प्वाइंट समझें

हर व्यक्ति का कोई न कोई ऐसा ट्रिगर प्वाइंट जरूर होता है। जहां पहुंचकर वह ओवरथिंकिंग करने लग जाता है। इसलिए, अपने ट्रिगर प्वाइंट पर पकड़ बनाना भी ओवरथिंकिंग की समस्या से बाहर निकलने का एक अच्छा तरीका होता है। कभी भी ऐसा लगे कि, किसी बात से आप परेशान हो सकते हैं। ऐसे में, खुद को एक पॉजिटिव एनवायरमेंट में शामिल करने की कोशिश करें। ओवरथिंकिंग एक ऐसी परेशानी है, जिसे जब तक आप खुद ठीक नहीं करना चाहेंगे तो इसमें दूसरा कोई व्यक्ति आपकी सहायता नहीं कर सकता है।

पर्याप्त नींद है जरुरी

कई हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि, मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहने के लिए शरीर को भरपूर नींद बेहद जरुरी है। कम सोने या नींद में कमी व्यक्ति के जीवन में चिंता और उदासी की भावनाओं को बढ़ा सकती है। जो कि ओवरथिंकिंग का ही लक्षण माना जाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि, आपके दिमाग और शरीर को अच्छी तरह से आराम मिले प्रति रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद अवश्य लें।

गहरी सांस लें

ओवरथिंकिंग सिर्फ मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक रूप से भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है। ऐसे में जरुरी है कि, मेंटल और फिजिकल हेल्थ बेहतर बनाए रखने के लिए , शांत जगह पर बैठकर गहरी

सांस लें। ऐसा करने से दिमाग और शरीर दोनों ही रिलैक्स महसूस करवाएगा। इसके अलावा, यह आदत आपके दिमाग में चल रहे नेगेटिव विचारों को दूर रखने में भी मदद करेगा।

परफेक्शन का इंतजार करना छोड़ें

जरा गौर से सोचिएगा इसे, ओवरथिंकिंग को कंट्रोल करने के तरीकों में ये सबसे महत्वपूर्ण है। हम सब जो परफेक्शन की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं, उसे बंद कर सकते हैं। महत्वाकांक्षी होना अच्छी बात है लेकिन परफेक्शन का लक्ष्य रखना अनरीयलिस्टिक, अव्यावहारिक और कमजोर करने वाला है।

शुगर कंट्रोल रखने अपनाएं लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और क्रोनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसका खतरा सभी उम्र के लोगों में बढ़ता जा रहा है। हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने चिंता जताते हुए कहा है कि जिस तरह से डायबिटीज की दर बढ़ती जा रही है ऐसे में आशंका है कि साल 2050 तक 130 करोड़ से अधिक लोग इस रोग के शिकार हो सकते हैं। डायबिटीज अपने आप में तो खतरनाक बीमारी है ही, साथ ही इसके कारण कई प्रकार की अन्य क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का जोखिम भी काफी बढ़ सकता है, इसलिए इस रोग से बचाव के लिए प्रयास करते रहना बहुत आवश्यक है। जो लोग पहले से ही डायबिटीज के शिकार हैं, उन्हें ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने के लिए आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज रोगियों को आहार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है, आप हमेशा ऐसे आहार का चयन करें जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

आइए जानते हैं कि इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जा सकता है?

लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्सर वाली चीजें-लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स (निम्न-जीआई) इस पर आधारित होती है कि खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा स्तर को कैसे प्रभावित करती है? ग्लाइसेमिक इंडेक्स भोजन को 0 से 100 के पैमाने पर रैंक करता है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन चीजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 55 से कम होता है, वह डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छी हो सकती है। इस बात का ध्यान रखकर अगर आप फलों-सब्जियों का चयन करते हैं तो शुगर के लेवल को कंट्रोल करना आपके लिए ज्यादा आसान हो जाता है।

दूध हो सकता है आपके लिए फायदेमंद-स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि डायबिटीज रोगियों के लिए नियमित रूप से दूध का सेवन करना बेहतर स्वास्थ्य विकल्प हो सकता है। ये बिना शुगर लेवल को बढ़ाए, शरीर को संपूर्ण पोषण देने में आपके लिए लाभकारी हो सकता है। स्किम्ड दूध का जीआई स्कोर 37 है, जबकि फुल फैट वाले दूध का स्कोर 39 होता है। दूध कैल्शियम से भरपूर होता है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। शोध से पता चलता है कि नियमित रूप से दूध पीने से महिलाओं में घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस का खतरा कम हो सकता है।

चने प्रोटीन का बेहतर स्रोत-डायबिटीज के शिकार हैं तो शरीर को बेहतर पोषण देने के लिए आप आहार में चने को शामिल कर सकते हैं। चने का जीआई स्कोर 28 होता है। आहार में चने को शामिल करके शरीर के लिए प्रोटीन और फाइबर की आवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जा सकता है। इनमें कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन बी-9 जैसे प्रमुख पोषक तत्व भी होते हैं, जिन्हें शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माना जाता है।

खिलाएं होममेड मावा घेवर

त्योहार के मौसम में बाजारों में मिलावट वाली मिठाई मिलती है। अगर आप अपने घर के लोगों को कुछ अच्छा बनाकर खिलाना चाहती हैं तो मलाई घेवर एक बेहतर विकल्प है। इसे खाकर किसी की तबियत खराब होने का डर भी नहीं रहता।

घेवर का बैटर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में मैदा लें। अब इसमें घी और बर्फ के टुकड़े डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं जब तक कि घी और मैदा अच्छे से मिल जाए। इसके बाद, दूध और थोड़ा-थोड़ा करके पानी डालें और लगातार मिलाते रहें। जब इसका पतला बैटर तैयार हो जाए तो इसे साइड में रख दें। इसमें किसी भी प्रकार की गुठलियां नहीं होनी चाहिए। अब इसके लिए आपको चाशनी तैयार करनी है। चाशनी बनाने के लिए एक पैन में चीनी और 1 कप पानी डालें। चीनी को अच्छी तरह से घुल जाने के बाद इसमें इलायची पाउडर और केसर डालें। इसे धीमी आंच पर गर्म रखें। चाशनी जब तैयार हो जाए तो इसे साइड में रख दें। अब एक गहरे पैन में घी गरम करें। घी की मात्रा इतनी होनी चाहिए कि घेवर उसमें डूब सके सके। अब घेवर के बैटर को एक बड़े चम्मच या किसी कटोरी से पैन के केंद्र में डालें। धीरे-धीरे बैटर को बीच में डालते रहें ताकि घेवर गोलाकार बने। जैसे ही घेवर तैयार होने लगे तो सुनहरा होने के बाद इसका अतिरिक्त घी निकालने के लिए इसे पैन से निकालकर नैपकिन पर रखें। अब तैयार घेवर को चाशनी में डालें और कुछ सेकंड के लिए छोड़ दें ताकि चाशनी घेवर में अच्छे से सोख जाए। घेवर को चाशनी से निकालें और किसी प्लेट में रखें। आखिर में इस पर मावा लगाएं और उसे पिस्ता और बादाम के टुकड़ों से सजाएं।

शिव जी को नारियल चढ़ाने जानें नियम

पौराणिक कथाओं के अनुसार, शिवलिंग पर आप नारियल अर्पित कर सकते हैं, लेकिन कभी भी शिवलिंग पर नारियल के जल का अभिषेक नहीं करना चाहिए। दरअसल नारियल को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है, जिनका संबंध भगवान वि ष्णुक से है और इसलिएए शिषव जी को यह नहीं चढ़ाया जाता है। माता लक्ष्मी भगवान विष्णु की अर्धांगिनी हैं और नारियल को श्रीफल भी कहा जाता है और इसे माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है इसलिए इसका प्रयोग भगवान शिव की पूजा में नहीं होता है।इन चीजों को शिव जी की पूजा में न करें शामिल भगवान शिव ने शंखचूड़ नाम के एक असुर का वध किया था। वह भगवान वितष्णु का भक्त था। इस कारण से शंख को उसी असुर का प्रतीक माना जाता है और इसलिए विष्णु भगवान की तो पूजा शंख का उपयोग होता है लेकिन भगवान शिव की पूजा में शंख का उपयोग नहीं होता है। भगवान शिव की पूजा करते समय कुमकुम का उपयोग भी नहीं करना चाहिए। यह सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, लेकिन भगवान शिवजी का एक रूप वैरागी भी होता है। इसलि ए शिव जी को कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए। इसके अलावा तुलसी को भगवान शिव पर चढ़ाना बिलकुल मना है क्योंकि भगवान शिव की पूजा में तुलसी का इस्तेमाल करने से पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती है। तुलसी को माता लक्ष्मी का स्वरूप भी माना जाता है इसलिए इसका उपयोग भगवान शिव की पूजा में नहीं करना चाहिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जैकी बोले- अब फोकस बिजनेस है, पुरानी फिल्में ज्यादा बेहतर थीं

फेमस एक्टर जैकी चैन ने हाल ही में हॉलीवुड को लेकर एक खुलासा किया है। उनका मानना है कि अब हॉलीवुड में क्वालिटी फिल्में नहीं बनती हैं। अब

बड़े प्रोडक्शन हाउस भी बिजनेस पर ही फोकस करते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वो हॉलीवुड छोड़ने वाले थे। इसकी वजह का भी खुलासा किया है। जैकी चैन किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वो लीजेंडरी एक्शन स्टार ही नहीं, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा वक्त बिताया है। हर फिल्म इंडस्ट्री से वाकिफ होने का तजुर्बा रखते हैं। उनके मार्शल आर्ट्स और कॉमेडी की दुनिया अभी भी मुरीद है। वो जानते हैं कि एक फिल्म को कैसे यादगार बनाना है। उन्होंने हाल ही में हॉलीवुड को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि हॉलीवुड में क्वालिटी फिल्में बनाना मुश्किल हो गया है। लोकार्नो में एक प्रोग्राम में खुलकर बात करते हुए वो बोले कि आज के हॉलीवुड माहौल में एक अच्छी फिल्म बनाना 'बहुत मुश्किल' है। जैकी चैन ने मेजर फिल्म स्टूडियो की प्राथमिकताओं में बदलाव की ओर इशारा किया। उनका मानना है कि अब फिल्में, निर्माण के जुनून से ज्यादा बिजनेस हितों से प्रेरित हैं। जैकी ने कहा, 'कई बड़े स्टूडियो फिल्ममेकर्स नहीं, बल्कि व्यवसायी हैं। वे 4 करोड़ डॉलर का निवेश करते हैं और सोचते हैं- मैं इसे कैसे वापस पाऊंगा? और आप इससे ज्यादा नहीं कर सकते। अब एक अच्छी फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने पुरानी और नई फिल्मों की तुलना करते हुए कहा- मुझे लगता है कि पुरानी फिल्में आज से ज्यादा बेहतर हैं।'

टॉलीवुड

रवि तेजा और श्रीलाला के गाने पर भड़के लोग, सलाह दे दी फिल्म को छोड़ देने की

सुपरस्टार रवि तेजा और श्रीलीला के नए गाने 'ओले ओले' पर विवाद हो गया है। सोशल मीडिया पर लोग इस गाने के बोल को घटिया और बेहूदा बता रहे हैं। यूजर्स का

पारा इस हद तक चढ़ा है कि उन्होंने रवि तेजा को फिल्में छोड़ देने को कहा है। तेलुगू फिल्मों के 'मास महाराजा' रवि तेजा और 'पुष्पां 2' फेम श्रीलीला के नए गाने 'ओले ओले' की आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर लोगों का पारा चढ़ गया है। गाने के बेहूदा और घटिया बोल सुनकर लोग जहां इसके गीतकार और संगीतकार को कोस रहे हैं, वहीं सुपरस्टाकर एक्टर की भी खूब भद पिट रही है। यह गाना रवि तेजा की नई फिल्मर 'मास जथारा' से है। लोगों का कहना है कि ये गाना सुनकर यही लगता है कि ना तो मेकर्स और ना ही इसके अभिनेताओं के दिल में 'मां और बहनों' के लिए कोई सम्मायन है। यह 'बेहद शर्मनाक' है। 'मास जथारा' का यह नया गाना 'ओले ओले' चार दिन पहले ही रिलीज हुआ है। इस गाने को भीम्स सेसिरोलीओ ने कम्पोाज किया है, जिन्हें 'थमन' के बाद इंडस्ट्री में खूब तारीफ मिली। उन्होंरने ना सिर्फ इस गाने की रचना की है, बलिास इसके गाया भी है। जबकि इस गीत के बोल गीतकार भास्कदर यादव दसारी ने लिखे हैं। यह पूरा विवाद गाने में इस्तोमाल लाइन 'नी तलिनी - नी चेलिनी – नीयम्मानी.. नी यक्कानी' को लेकर हो रहा है। इस तेलुगू वाक्यम का हिंदी में अर्थ में है, 'तेरी मां - तेरी बहन - तेरी चाची.. तेरी बड़ी बहन' गाने को सुनने के बाद एक इंटरनेट यूजर ने फेसबुक पर लिखा है, 'मुझे लगता है कि रवि तेजा के लिए बेहतर होगा कि वे फिल्में करना बंद कर दें।' हालांकि, रवि तेजा के फैंस ने गाने की तारीफ करते हुए इसका बचाव किया है। लेकिन आलोचना करने वालों की संख्या अधिक है।

भोजपुरी

पवन का नया रोमांटिक गाना 'पापे पड़ी' रिलीज, पति-पत्नी की नोक-झोंक पर

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह का नया भोजपुरी गाना यूट्यूब पर रिलीज हो गया है। इस गाने का नाम 'पापे पड़ी' है जो आज यानी 5 अगस्त को

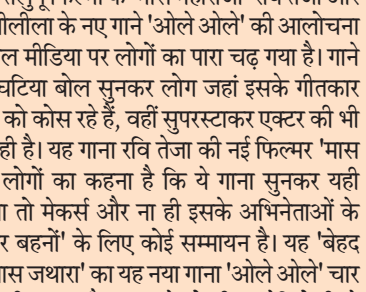

आया है। इस गाने में आपको सबके फेवरेट पावर स्टार का वही अवतार देखने को मिलेगा जो उनके पिछले गानों में आपने देखा है। पवन सिंह का नया गाना काफी मजेदार है, जिसपर सभी भोजपुरिया फैंस झूमने पर मजबूर हो जाएंगे।'पापे पड़ी' गाना रिलीज होते ही यूट्यूब पर ट्रेंड करने लगा है और ये 6 नंबर पर यूट्यूब के म्यूजिक कैटेगरी में ट्रेंड कर रहा है। पवन सिंह के साथ एक्ट्रेस शालिनी के लटके-झटके गाने में तड़के का काम कर रहे हैं। दो दिन पहले पवन सिंह ने इस गाने का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। इसके बाद जब गाना रिलीज हुआ तो इसका टीजर उन्होंने शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'इंतजार हुआ खत्म म्यूजिक मोहल्ला के यूट्यूब चैनल से आ गया है। धमाकेदार गाना पापे पड़ी, आप इस गाने को सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर भी सुन सकते हैं। इस गाने को बहुत सारा प्यार और आशीर्वाद दीजिए।' म्यूजिक मोहल्ला नाम के यूट्यूब चैनल पर 'पापे पड़ी' गाना अपलोड किया गया है। इस गाने को पवन सिंह ने गाया है, जबकि पूरा गाना पवन सिंह और क्वीन शालिनी पर फिल्माया गया है। इस गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और इसका म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने तैयार किया है।

एम्पोरियो अरमानी, प्रादा, जैक्वेमस, हेड मेनर, विली चावरिया, अमी और डायर मेन सिर्फ मॉडल ही नहीं बल्कि मेंस फैशन में साल 2025 का ट्रेंड्स जाहिर करने वाली प्रमुख कड़ी है। इन सभी मॉडल के ड्रेस बदलाव के दौर से गुज़र रहे मेंस फैशन के उद्योग की तस्वीर पेश करते हैं। माना जा रहा है कि मेंस फ़ैशन बदलाव की दहलीज़ पर है और 2026 बड़े डेब्यू का साल होगा।

थ्रेडिंग करवाने से आइब्रो ग्रोथ पर पड़ता है असर

खूबसूरत दिखना हम सभी चाहते हैं और इसके लिए हम कई तरह के स्किन और हेयर ट्रीटमेंट भी करवाते हैं। इसके अलावा हम आए दिन तरह-तरह के घरेलू नुस्खे भी आजमाते रहते हैं। वहीं आइब्रो हमारी खूबसूरती का अहम हिस्सा होते हैं और अक्सर हम इन्हें परफेक्ट शेप देने के लिए समय-समय पर ट्रिम करवाते हैं व थ्रेडिंग का सहारा लेते हैं। थ्रेडिंग की बात करें तो आजकल ऐसा काफी बार सुनने में आया है कि बार-बार थ्रेडिंग करवाने से आईब्रो की ग्रोथ रुक जाती है और आइब्रो के बाल भी झड़ने लगते हैं, लेकिन जानना यह होगा कि क्या यह सच है या केवल एक मिथ है?

आइब्रो ग्रोथ पर एक्सपर्ट की राय क्या है?

आइब्रो हेयर ग्रोथ पर हेयर और स्किन एक्सपर्ट डॉ चित्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने बताया कि अक्सर बढ़ती उम्र और त्वचा में बदलाव होने के कारण आइब्रो के कई हेयर झड़ने लगते हैं। साथ ही इनकी ग्रोथ भी धीरे-धीरे कम होने लगती है। इसका कारण थ्रेडिंग करवाना नहीं बल्कि इसका कारण हाइपोथायरायडिज्म हो सकता है। हाइपोथायरायडिज्म होने का कारण थाइरोइड ग्लांड्स का सही मात्रा में थाइरोइड हॉर्मोन का उत्पाद न करना हो सकता है, जिसके कारण आइब्रो के पिछले भाग से ग्रोथ धीरे-धीरे कम होने लगती है और आइब्रो पतली नजर आने लगती है। वहीं ऐसा जरूरी नहीं है कि आपको भी हाइपोथायरायडिज्म जैसा कुछ हो, लेकिन ये बेहद कॉमन चीज है जिसके कारण अक्सर आइब्रो की हेयर ग्रोथ रुकने लग जाती है।

कैसे पता करें कि आइब्रो की हेयर ग्रोथ रुक गई है?

आइब्रो हेयर ग्रोथ रुकने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन ये कब से हुआ है?

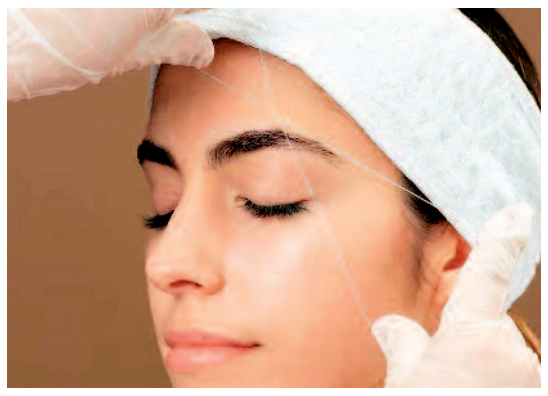

यह जानना भी बेहद जरूरी होता है ताकि समय रहते इसका समाधान निकाला जा सके। बता दें कि जब आप आपको आइब्रो पतली नजर आए और इसके लिए आइब्रो फिलिंग पेंसिल का इस्तेमाल करने लग जाए तो समझ लीजियेगा की आइब्रो ग्रोथ कम हो गई है और इसी कारण आइब्रो पतली नजर आ रही है।

थ्रेडिंग के अलावा कैसे दें आइब्रो को शेप ?

रोजाना दौर बदल रहा है और कोई न कोई नया ट्रेंड सोशल मीडिया पर नजर आने लगता है। वहीं आइब्रो को शेप देने के लिए भी अगर आप थ्रेडिंग नहीं करवाना चाहते हैं तो इसके लिए आप वैक्सिंग स्ट्रिप्स का इस्तेमाल कर सकती हैं और बिना किसी की मदद लिए आइब्रो को शेप दे सकती हैं।

दिखना है सबसे अलग तो पहनें पीकॉक वर्क वाली ऐसी साड़ियां

मार्केट में आपको साड़ी के कई सारे अलग-अलग डिजाइन मिल जाएंगे। जिन्हें आप फेस्टिवल और शादी में स्टाइल कर सकती हैं। इनमें से कुछ डिजाइन ऐसे होते हैं जिन्हें पहनते-पहनते हम बोर हो जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो पीकॉक डिजाइन वाली साड़ियों को स्टाइल करें। ये दिखने में काफी सुंदर लगती हैं और खास मौके के लिए बेस्ट ऑप्शन होती हैं। इसको पहनकर आप भी खास रंग में रंग जाएंगी।

डिजाइन-1: अगर आपको सादगी पसंद है तो इसके लिए आप व्हाइट कलर के साथ इस पीकॉक साड़ी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की साड़ियां दिखने में बेहद सुंदर लगती हैं। इसमें आपको पूरी साड़ी में पीकॉक फेदर का डिजाइन मिलेगा और पल्लू में मोर बना मिलेगा। इस तरीके की साड़ी हैंडवर्क होती है पहनने में भी बेहद सुंदर लगती हैं। आप इन्हें ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की साड़ी के कई सारे ऑप्शन आपको मार्केट में मिल जाएंगे। आप इन्हें 250 से 500 की रेंज में खरीद सकती हैं।

डिजाइन-2: साड़ियों के अलग-अलग डिजाइन आपको मार्केट में मिल जाएंगे। जिन्हें आप इस खास मौके पर पहन सकती हैं। इसमें आप पल्ले पर मोर का डिजाइन मिलेगा। इसी के साथ पूरी साड़ी (लंबी लड़कियों के लिए साड़ी डिजाइन) प्लेन मिलेगी। इसमें आप चाहे तो ग्रीन के अलावा और भी कलर को खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरीके की साड़ी में आपको प्लेन वर्क भी मिल जाएगा। साथ ही हैवी वर्क में भी साड़ी खरीद सकती हैं। आप चाहे तो इसके साथ मोर पंख वाले इयररिंग्स भी स्टाइल कर सकती हैं।

डिजाइन-3: अगर आपको कॉटन साड़ी पहनना पसंद है तो इसमें भी आपको पीकॉक वर्क वाली साड़ी मिल जाएगी। इन साड़ियों में आपको सिर्फ पल्ले पर ही ये डिजाइन (सिंपल साड़ी डिजाइन) मिलेगा। पूरी साड़ी या तो प्लेन होगी वरना फ्लोरल या बॉक्स पैटर्न की होगी।

दो मुंहे बालों से छुटकारा पाने के लिए ट्रिमिंग की जगह लगाएं हेयर मास्क

लंबे और खूबसूरत बालों की चाहत हर महिला रखती है। इसके लिए वो तरह-तरह के नुस्खे ट्राई करती है। लेकिन कई बार मिट्टी और बढ़ते प्रदूषण के कारण दो मुंहे बाल हो जाते हैं। कुछ घरेलू तरीके अपना कर आप दो मुंहे बालों की समस्या दूर कर सकती हैं।

पतीता हेयर मास्क बनाने का तरीका

इसके लिए एक पपीता (पपीता हेयर मास्क) लेना है। उसे अच्छे से मैश करना है। अब इसमें दही को एड करना है। फिर इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करें। अब इसे अपने बालों में अप्लाई करें। इसके बाद 30 मिनट के लिए लगा रहने दें। जब ये सूख जाए तो बालों को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपके दो मुंहे बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

शहद हेयर मास्क

शहद स्किन की तरह बालों को भी पोषित करता है। इसके इस्तेमाल से बाल सॉफ्ट और लंबे हो जाते हैं क्योंकि ये दो मुंहे बालों की

समस्या को जो दूर कर देता है। इसका इस्तेमाल आप अलग-अलग तरीके से कर सकती हैं।

शहद हेयर मास्क बनाने का तरीका

सबसे पहले एक कटोरी लें। अब इसमें शहद डालें और इसमें दही को मिक्स करें। इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करने के बाद अपने बालों में अप्लाई करें। फिर 30 मिनट के लिए लगा रहने दें। कुछ ही दिनों में आपको दो मुंहे बालों (होममेड हेयर मास्क) से राहत मिल जाएगी। इन नुस्खों को ट्राई करें और दो मुंहे बालों की समस्या को दूर भगाएं।

रोजाना करें ये काम, डार्क सर्कल्स होंगे कम

अक्सर देर रात तक जागने और ज्यादा स्ट्रेस लेने के कारण आंखों के नीचे काले घेरे होने लगते हैं। इसके लिए आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। खूबसूरत दिखने के लिए हम रोजाना स्किन केयर रूटीन को फॉलो करते हैं और इसके लिए कई तरीके के प्रोडक्ट्स से लेकर घरेलू नुस्खे को आजमाते हैं। वहीं स्किन केयर रूटीन में आंखों के नीचे मौजूद त्वचा यानि अंडर आई का भी खासतौर से ख्याल रखा जाना बेहद जरूरी होता है और इसके लिए आपको कई तरीके की अंडर आई क्रीम भी मार्केट में मिल जाएंगी।

बता दें कि आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स होने का एकमात्र कारण समय से न सोना और ज्यादा स्ट्रेस लेना भी हो सकता है। इसके लिए आप बाजार में मिलने वाले केमिकल से भरे प्रोडक्ट्स की जगह नेचुरल चीजों से बने घरेलू नुस्खे की भी सहायता ले सकती हैं। डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए आप बेसन,गुलाब जल और कच्चा दूध इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेसन को लगाने के फायदे

बेसन में मौजूद प्रॉपर्टी त्वचा के कालेपन को कम करने में मदद करता है। त्वचा में होने वाले किसी भी तरह के स्किन इन्फेक्शन को होने से रोकने के लिए बेसन बेहद मददगार होता है।

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए गुलाब जल के फायदे : गुलाब जल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा से डार्क स्पॉट्स हटाने में मदद करता है। त्वचा के पीएच लेवल को नियंत्रित करने में गुलाब जल बेहद मददगार साबित होता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा में होने वाले स्किन प्रॉब्लम्स से राहत दिलाता है। साथ ही गुलाब जल में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण डेड स्किन सेल्स को रिपेयर करने में मदद करता है।

कच्चे दूध को लगाने के फायदे

यह आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन-ए होता है। बता दें कि कच्चा दूध त्वचा को नमी देने का काम भी करता है।

कार्नर न्यूज

पुरुषों के लिए खास फ़ैशन टिप्स आपके स्टाइल को निखारेंगे

मेंस फैशन में बारिश नहीं बनेगी बाधा, बस आउटफिट चुनने के दौरान आजमाएं टिप्स

मानसून का मौसम मौसम में एक ताज़ा बदलाव लाता है, लेकिन साथ ही स्टाइल और आराम बनाए रखने के लिए अनोखी चुनौतियाँ भी पेश करता है। बारिश के दौरान अच्छे कपड़े पहनने के लिए कुछ सोच-विचार और तैयारी की ज़रूरत होती है। पुरुषों के लिए यहाँ पाँच ज़रूरी मानसून फ़ैशन टिप्स दिए गए हैं जो आपको आकर्षक और आरामदायक बनाए रखेंगे।

बरसात में मेंस आउटफ़िट के लिए, हल्के और जल्दी सूखने वाले कपड़े चुनें जैसे कॉटन और लिनन, गहरे रंग की टी-शर्ट या प्लेन शर्ट पहनें जो पानी के धब्बे छिपा सके और डेनिम से बचें क्योंकि यह देर से सूखता है। जूतों में वाटरप्रूफ स्नीकर्स या मजबूत सैंडल अच्छे रहेंगे। अपने स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए वाटर-रेसिस्टेंट बैग और एक छाता ज़रूर साथ रखें।

जल्दी सूखने वाले कपड़े पहनें

मानसून के दौरान, बारिश में भीगना लगभग लाज़मी है। जल्दी सूखने वाले कपड़े पहनना बहुत फ़ायदेमंद साबित हो सकता है। नायलॉन, पॉलिएस्टर और कुछ ख़ास तरह के

मिश्रण आपके शरीर से नमी सोखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे ये जल्दी सूख जाते हैं। आरामदायक रहने और चिपचिपे, गीले एहसास से बचने के लिए इन कपड़ों से बनी शर्ट, टी-शर्ट और ट्राउज़र चुनें। तुरंत सुझावः नमी सोखने वाले ऐसे एथलेटिक कपड़े चुनें जो जिम से लेकर सड़क तक पहनने के लिए काफ़ी स्टाइलिश हों।

वाटरप्रूफ़ जूते खरीदें

गीले और भीगे हुए जूते न सिर्फ़ असुविधाजनक होते हैं, बल्कि आपके लुक को भी खराब कर सकते हैं। मानसून के दौरान वाटरप्रूफ़ जूते खरीदना बेहद ज़रूरी है। रबर लोफ़र्स, वाटरप्रूफ़ स्नीकर्स या ट्रेंडी रेन बूट्स जैसे स्टाइलिश विकल्प चुनें। ये विकल्प आपके पैरों को सूखा रखते हैं और आपके पहनावे में एक अनोखापन जोड़ते हैं। मानसून के दौरान चमड़े के जूते पहनने से बचें, क्योंकि ये पानी से आसानी से खराब हो सकते हैं। इसके बजाय, सिंथेटिक सामग्री वाले जूते चुनें जो पानी को रोकते हैं।

समझदारी से कपड़े पहनें

मानसून के दौरान बदलते तापमान और आर्द्रता के अनुकूल होने के लिए कई परतें पहनना एक बेहतरीन तरीका है। एक हल्का, वाटरप्रूफ़ जैकेट या विंडचीटर आपके वॉर्डरोब के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इन्हें आपके नियमित पहनावे के ऊपर आसानी से पहना जा सकता है और ये अचानक बारिश से सुरक्षा प्रदान करते हैं। अपने सिर को सूखा रखने के लिए हुड वाली जैकेट चुनें, और ज़्यादा गर्मी से बचने के लिए हवादार अस्तर वाले विकल्प देखें।